चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 194 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
07 जनवरी 2025 मंगलवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

विधुड़ी को कब भाजपा से बाहर का रास्ता दिखाएंगे मोदीजी?

दिल्ली में अगले महीने प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में कालका सीट पर आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार मुख्यमंत्री आतिशी सिंह और वायनाड से हाल ही में लोकसभा चुनाव जीतकर लोककसभा पहुंची सांसदा प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले भाजपा नेता को लेकर भाजपा के आला नेताओं का मौन हैरान करने वाला है। दिल्ली के अनुभवी लेकिन मसखरे नेता रमेश कुमार विधुड़ी को

भाजपा ने आतिशी के खिलाफ चुनाव उतारा है। तीन बार के विधायक और सांसद रह चुके नेता रमेश विधुड़ी को दो-दो नारियों के प्रति उनके विवाद को लेकर भाजपा के आला नेताओं के मुंह में कब तक दही जमा रहेगा? नारी शक्ति के अपमान पर क्या भाजपा क्या विधुड़ी का टिकट काटेगी? उन्हें भाजपा पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाएगी? या फिर नारी सम्मान की पैरोकार भाजपा और उशके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह तथा पार्टी के मुखिया गत प्रकाश नड्ड़ा इसी तरह मौन साधकर दिल्ली विधानसा के चुनाव में भाजपा की संभावनाओं को धूमिल होने देंगे? इस काम में जितनी देरी होगी भाजपा का नुकसान उतना ही बढने़ वाला है।

कहते हैं कि जो इतिहास से सबक नहीं लेते उन्हें बड़ा झटका झेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। भाजपा की भूलों की दो नजीरें तो ताजा ही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 370 पार और

एनडीए को चार सौ पार का दंभोक्ति भरे नारे के साथ चुनाव में उतरी भाजपा को यूपी और महाराष्ट्र में दो बड़ी गल्तियों के चलते मुंह की खानी पड़ी। 370 तो क्या अकेले बहुमत के लिए जरूरी 272 सीटें भी भाजपा नहीं जीत सकी और उसकी सीटों का आंकड़ा 302 से गोता खाते हुए 240 पर आ गया। भाजपा की पहली गल्ती उनके अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह ने की। भाजपा की सरकार के बनने पर संविधान और आरक्षण को खत्म करने के उनके बयान ने जमकर बवाल काटा। मोदी के दम पर भाजपा की नैया पर लगाने के भ्रम में डूबी पार्टी न तो लल्लू सिंह का अयोध्या से टिकट काट सकी और न उन्हें भापा से बाहर करने रास्ता दिखा सकी। भाजपा सिर्फ संविधान और आरक्षण को कायम रखने की बात करती रही और राहुल गांधी सहित सारी विपक्षी पार्टियों ने भाजपा के संविधान और आरक्षण विरोधी होने का नैरेटिव बनाकर भाजपा के सपने चूर-चूर कर डाले। लल्लू सिंह को रामलला की धरती पर रामराजा की प्रजा ने धूचटाकर समाजवादी पार्टी को जितवा दिया। चंद महीने पहले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करके भाजपा ने अपनी जीत के सपनों को जो पंख लगाए थे, वे हवा में ही टूटकर जमीन पर आ गिरे। अब लोकसभा में भाजपा भले एनडीए की बैसाखियों के सहारे सत्ता में है लेकिन यूपी की हार से ज्यादा अयोध्या की पराय के मलाल ने उसे अंदर से हिलाकर रखा हुआ है।

भाजपा की हार के दूसरे खलनायक बने गोंडा के सांसद और कुश्ती संघ के अध्यक्ष ब्रजभऊषण शरण सिंह। जिन पर अंतर्राष्ट्रीय महिला पहलवानों ने यौन उत्पीडऩ के आरोप लगाते दिल्ली के जंतर मंतर पर लंबा धरना दिया। लेकिन भाजपा ने महिला पहलवानों के अपमान की अनदेखी करते हुए ब्रजभूषण सिंह को अपने कंधों पर बिठाए रखा। भाजपा लंबे वक्त बाद चेती तो उसने ब्रजभूषण सिंह का टिकट काटकर उनके बेटे के हाथ उम्मीदवारी थमा दी।दबंग ब्रजभूणण ने इपने बेटे को तो जिता दिया लेकिन यूपी में भाजपा को डुबा दिया। उधर विनेश फोगान ने हरियाणा में कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल कर ली। अब तीसरी गल्ती विधुड़ी ने की है।

प्रियंका गांधी और आतिशी के बारे में राक्षसी मुस्कान के साथ उन्होंने जैसी टिप्पणी करके आतिशी को रूला दिया, लेकिन अब तय मानिए भाजपा ने सख्त कदम नहीं उठाए तो दिल्ली की जनता बिधूड़ी और उनकी पार्टी को रूलएगी। ऐसा नहीं है कि नारियों पर अभद्र टिप्पणी करने में सिर्फ भाजपा ही आगे है। कांग्रेसी सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री अपनी ही पार्टी की मंदसौर की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन को सौ फीसदी टंच माल कहकर काफी आलोचना झेल चुके है। बिहार की सड़कों को हेमामालिनी के गालों जैसा बनाने जैसी टिप्पणी लालू यादव से लेकर दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान लोक निर्माण मंत्री रहे स्व. हजारीलाल रघुवंशी जैसे नेता दोहरा चुके है। लेकिन सनातनी संस्कृति में यकीन रखने वाली भाजपा के लिए विधुडी सरीखे नेताओं क तौर तरीके सहन करने के काबिल नहीं है। पौराणिक काल में सीता के अपमान के प्रसंग से लेकर कौरवों के हाथों द्रोपदी के अपमान और उसके नतीजे के तौर पर रावण से लेकर बाली वध और कौरवों के अंत की कहानी भी हमारे सामने हैं। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा के सामने विधुड़ी के विकल्प के बतौर नेताओं की कमी नहीं है। अब देखने वाली बात यही है कि भाजपा इस पूरे मामले को किस तरह लेती है।

अब तक 53 मौतें, बड़ा नुकसान

जबर्दस्त भूकंप से तिब्बत में तबाही चीन से सिक्कम तक हिली धरती

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन के तिब्बत प्रांत में आज सुबह आए भूकंप से 53 लोगों की मौत हो गई, जबकि 62 घायल हो गए। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक अधिकारी लगातार हालात का जायजा ले रहे हैं, इस वजह से हताहतों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। सुबह 9.05 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 6.30 बजे) आए इस भूकंप का केंद्र तिब्बत के शिजांग में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.1 थी। इसका असर नेपाल, भूटान सहित भारत के सिक्किम और उत्तराखंड में भी दिखा। फिलहाल भारत में भूकंप से जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लोकल अधिकारी भूकंप के नुकसान का आकलन करने के लिए इलाके के लोगों से संपर्क कर रहे हैं। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि 400 किमी दूर नेपाल की राजधानी काठमांडू में भी इसका

असर महसूस किया गया। आज का भूकंप पिछले 5 साल में 200 किलोमीटर के दायरे में दर्ज किया गया सबसे शक्तिशाली भूकंप था। भूकंप का सेंटर उस जगह पर मौजूद है जहां भारत और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेट्स टकराती हैं। इन प्लेटों के टकराने से हिमालय के पर्वतों में ऊंची तरंग उठती हैं।

300 फीट की कोयला खदान में फंसे कई श्रमिक

सेना का रेस्क्यू ऑपरेशन

गुवाहाटी, एजेंसी

असम के पास दीमा हसाओ जिले में एक कोयला खदान दुर्घटना के बाद भारतीय सेना ने तत्परता दिखाते हुए आपदा राहत अभियान शुरू किया है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ले. कर्नल महेंद्र सिंह रावत ने बताया कि सुबह-सुबह, फंसे हुए खनिकों को बचाने में नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए भारतीय सेना की राहत टुकड़ियां असम के दिमा हसाओ जिले के उमरांगसो पहुंच गई हैं। विशेषज्ञ गोताखोर, उपकरण के साथ इंजीनियर टास्क फोर्स, मेडिकल टीम, सेना और असम राइफल्स के सहायक कर्मचारी बचाव प्रयासों में शामिल हो गए हैं और

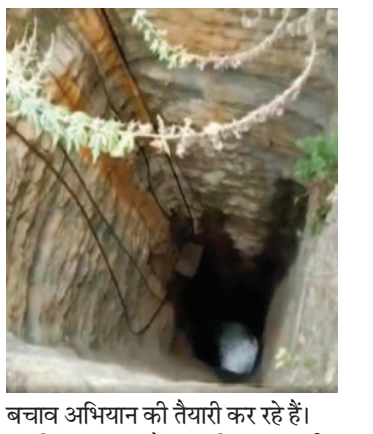

बचाव अभियान की तैयारी कर रहे हैं। नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर सभी प्रयास किए जा रहे हैं। खदानों से पानी निकाला जा रहा है। खदान तीन सौ फीट गहरी हैं।

बेटियां चीखतीं रही, पिता व भाई की डूबने से मौत

कौशांबी। यहां के सिराथू के कड़ाधाम बाजार घाट में गंगा में पिता पुत्र की डूबने से मौत हो गई। चीख पुकार के बीच मृतक जय जनार्दन की बेटियां आंशिक और मानसी की करुणामयी पुकार अन्य लोगों को भी मर्माहत करती रहीं। गंगा की लहरों को अपलक निहारतीं बेटियों का कह रही थीं ऐपुलिस अंकल... पापा और भैया को पानी से निकालो... दोनों अभी जिंदा हैं। यह सुनकर सभी की आंखें नम हो रहीं थीं। बताया जाता है कि फौज से रिटायर होने के बाद जनार्दन मिश्रा प्रयागराज में रहते थे। उनका इकलौता बेटा ऋषभ मिश्रा बीएससी के बाद इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा था। कुछ दिन पहले जनार्दन के पिता मनमोहन मिश्रा की मौत के बाद वे दारानगर में ही रुक गए थे।

कैबिनेट में पुराने व नए विषयों पर मंथन

भोपाल दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश की मोहन यादव कैबिनेट की नये वर्ष की पहली कैबिनेट बैठक आज मंत्रालय में हुई। बताया जाता है कि इस बैठक में मुख्यमंत्री की मौजूदगी वाले मंथन पर चर्चा की जा रही है। यह मंथन 26 दिसंबर को हुआ था। तब सीएम यादव ने मंत्रियों से कहा था कि युवा, गरीब, किसान और महिलाओं से संबंधित अपने विभागों की योजनाएं पता कराएं और उसके क्रियान्वयन की रिपोर्ट लेकर इन चारों वर्गों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ देने का काम कराएं। इस मामले में मंत्रियों से विभागवार और योजना के आधार पर अपडेट लिया गया। बैठक में गणतंत्र दिवस की तैयारियों समेत अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई।

बड़े झटके के बाद शेयर बाजार में थोड़ी राहत

मुंबई। बीते दिन बड़ी गिरावट देखने को बाद आज शेयर बाजार की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई है। ग्रीन जोन में ओपन होने के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा उछलकर एक बार फिर 78000 के पार पहुंच गया, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी गिरावट से उबरते हुए 150 अंक से ज्यादा चढ़ गया। इस बीच टाइटन से लेकर बजाज तक के शेयर तेजी के साथ ओपन हुए।

दिल्ली में चुनाव तारीखों का अब ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में विधानसभा चुनाव का आज ऐलान होने वाला है। चुनाव आयोग दोपहर तीन बजे तक तारीख घोषित कर सकता है। इसी के साथ दिल्ली में आचार संहिता लागू हो जाएगी। विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है। इसके अलावा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। इसके चलते 18 फरवरी से पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी कराए जाने की संभावना है। 2020 के विधानसभा चुनावों की घोषणा 6 जनवरी को हुई थी। विधानसभा की सभी 70 सीटों पर 8 फरवरी 2020 को सिंगल फेज में वोटिंग हुई थी और 11 फरवरी को नतीजे घोषित हुए थे। बीते चुनावे मं आम

आदमी पार्टी को 53.57 फीसदीवोट के साथ 62 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 8 सीट मिली थी। जबकि कांग्रेस को 4.26 फीसदी वोट मिले थे लेकिन सारी सीटें हारी थी। 2015 के चुनाव में भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी। दिल्ली में चुनाव का माहौल काफी दिन से गरमाया हुआ है। आप सभी उम्मीदवार घोषित कर चुकी है जबकि कांग्रेस ने 48 व भाजपा ने 29 उम्मीदवारों की सूची अभी तक जारी की है।

दिग्गज रंगकर्मी आलोक चटर्जी का निधन

भोपाल। रंगमंच के दिग्गज अभिनेता आलोक चटर्जी का आज तड़के तीन बजे निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। उनके शरीर में इन्फेक्शन फैल गया था। इसके अलावा उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था, जिसकी वजह से उनका निधन हो गया।आलोक चटर्जी मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के निदेशक रहे। वे राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के गोल्डमेडेलिस्ट थे। दोस्त नाम की नाट्य संस्था भीं चलाते थे। भारत भवन के रंगमंडल में भीं सालों काम किया। आलोक दादा देश में अभिनय के बेहतरीन टीचर माने जाते थे। उनके निधन की पुष्टि भोपाल के रंगकर्मी बालेंद्र बालू ने भी की है।

मनमानी पार्किंग से परेशानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के एमपी नगर जोन 2 में सड़कों को नो पार्किंग कर दिया गया है, जिससे आए दिन वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राजधानी में खामोशी से दौड़ेगी मेट्रो, शोर नहीं मचाएगी!

शोर-वाइब्रेशन का सर्वे, अस्पताल-स्मारकों के साथ ही आवासीय क्षेत्र में नॉइज कंट्रोल सिस्टम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल. मेट्रो ट्रेन आपके पास से गुजर जाएगी, लेकिन आपको न इसका कंपन महसूस होगा और न आवाज आएगी। मेट्रो ट्रेन के कंपन और ध्वनि को नियंत्रित करने और रोकने के लिए कारपोरेशन साउंड व वाइब्रेशन प्रूफ सिस्टम लगाने की कवायद कर रहा है। इससे पहले सर्वे कराया जा रहा है, जिसमें ध्वनि का स्तर और कंपन की स्थिति व गति निकाली जाएगी। इसके आधार पर ही साउंड व वाइब्रेशन प्रूफ सिस्टम विकसित होगा। सर्वे पर कारपोरेशन करीब एक करोड़ रुपए खर्च करेगा। भोपाल में ओरेंज और ब्लू लाइन दोनों पर ही ये सर्वे कराया जाएगा। हालांकि अभी सिर्फ एम्स से सुभाष ब्रिज तक व मेट्रो डिपो को मिलाकर सात किमी लंबाई का ट्रैक है। इसके अलावा बाकी पर ग्राउंड व सिविल सर्वे का काम चल रहा है। इन ट्रैक पर अस्पताल, स्मारकों पर विशेष फोकस होगा। आवासीय व अन्य भवनों को भी दायरे में लिया जाएगा। लगातार गाड़ी की आवाजाही से होने वाले कंपन से भवनों को नुकसान हो सकता है। मेट्रो कॉरिडोर से 30 मीटर दूरी तक स्थित स्मारक, अस्पताल, क्षेत्र व भवन का सर्वे होगा।

एआई आधारित होगा सर्वे: यहां मेट्रो कारपोरेशन ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित विशेष सॉफ्टवेयर से ही सर्वे करने की शर्त तय की है। इससे ध्वनि व वाइब्रेशन को लेकर सटीक जानकारी व आंकड़े सामने आएंगे। इसमें मौसमी प्रभावों का अध्ययन और असर भी शामिल होगा। मेट्रो कमर्शियल रन से यदि इससे लगे भवनों में कोई असर, दुष्प्रभाव होता है तो फिर मेट्रो ही जिम्मेदार होगा। बताया जाता है कि मेट्रो प्रोजेक्ट का एक पार्ट है। ये जरूरी सर्वे है इससे ही आगे की प्रक्रिया तय होगी।

वंदे भारत स्लीपर वर्जन का कोटा के बाद भोपाल में ट्रायल,180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाया

भोपाल। वंदे भारत स्लीपर वर्जन का रेक जल्द ही भोपाल रेल मंडल को उपलब्ध कराएगा। रेलवे ने स्लीपर वर्जन को 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर दौड़ाकर इसका सिक्योरिटी चेक किया है। रेलवे सभी मंडल में इस ट्रेन को चलाकर स्पीड ट्रायल कर रहा है। कोटा मंडल में सफल ट्रायल के बाद अगला नंबर भोपाल का है जो जनवरी के अंतिम दिनों में प्रस्तावित किया है। भोपाल से यूपी व दिल्ली के रूट पर ट्रायल प्रस्तावित है इसके लिए काम शुरू कर दिया है। रेलवे सेफ्टी कमिश्नर की टीम भोपाल आकर तैयारी को अंतिम रूप देगी। इसके बाद ट्रायल होगा। इंदौर से भोपाल होकर जबलपुर के रास्ते वंदे भारत स्लीपर वर्जन को नियमित रूप से चलाने की तैयारी की जा रही है। **यात्रियों को ये मिलेंगी सुविधाएं:** वंदे भारत स्लीपर वर्जन में स्वचालित दरवाजे, आरामदायक बर्थ, ऑन बोर्ड वाईफाई और विमान जैसी सुविधाओं के साथ डिजाइन किया है। भोपाल रेल मंडल ने दावा किया है कि सर्वाधिक यात्री रूट पर सर्वे के बाद एक रिपोर्ट रेलवे मंत्रालय को भेजी गई है। रेलवे की ओर से भोपाल से संचालित होने वाली वंदे भारत स्लीपर वर्जन ट्रेन का फायनल शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा।

विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा

31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का हुआ समापन, देश के सर्वश्रेष्ठ 20 व 6 अंतर्राष्ट्रीय मॉडल्स सम्मानित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

31वें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का समापन समारोह भोपाल के रवींद्र भवन में उल्लास, जोश और वैज्ञानिक ऊर्जा के साथ सम्पन्न हुआ। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजीव त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि के रूप में विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह संगठन सचिव प्रवीण रामदास, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल के निदेशक डॉ. सी सी त्रिपाठी के साथ साथ एनसीएसटीसी, डीएसटी की प्रमुख डॉ. रश्मि शर्मा एवं मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ अनिल कोठारी, मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्रीराम तिवारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजीव त्रिपाठी, राजीव त्रिपाठी ने छात्रों को विज्ञान और वेदांत के बीच संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने इंजीनियरिंग प्लस जुगाड़ इक्वल्स टू टेक्नोलॉजी का सिद्धांत समझाते हुए विज्ञान को समाज में संवेदनशीलता और नैतिकता के साथ जोड़ने की आवश्यकता बताई और छात्रों को रचनात्मक और नवाचार-उन्मुख सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कुल 640 छात्रों ने भागीदारी की जिसमे 607 प्रोजेक्ट मॉडल प्रस्तुत किए गए। इसमें 10 अंतरराष्ट्रीय नवाचार मॉडल भी थे। 376 छात्राओं ने अपने वैज्ञानिक मॉडल्स के माध्यम से भागीदारी की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 28 राज्यों और 6 देशों के बच्चों ने भाग लिया। 16 सत्रों में विज्ञान के विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने बच्चों के प्रश्नों के उत्तर दिए और उन्हें भविष्य में अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। देश के भीतर सर्वश्रेष्ठ 20 एवं 06 अंतर्राष्ट्रीय मॉडल्स को स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भविष्य के वैज्ञानिकों को तैयार करने का एक महत्वपूर्ण कदम: डॉ. अनिल कोठारी

इस अवसर पर मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि यह आयोजन बाल वैज्ञानिकों के लिए एक अद्भुत मंच है, जहां उनकी कल्पनाशीलता और नवाचार को नई दिशा मिलती है। यह कार्यक्रम भविष्य के वैज्ञानिकों को तैयार करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा यह मंच न केवल विज्ञान को समझने का अवसर देता है, बल्कि बच्चों को अपनी सोच और शोध को एक सही दिशा देने का अवसर भी प्रदान करता है।

कर्मश्री कप क्रिकेट ट्रॉफी: पर रॉकी क्लब का कब्जा

हिरदाराम नगर. कर्मश्री कप क्रिकेट ट्रॉफी पर रॉकी क्लब ने कब्जा किया। फाइनल मैच में शिवाय क्लब का हराया। रॉकी क्रिकेट क्लब अकादमी ने संतनगर दशहरा मैदान पर टूर्नामेंट का आयोजन किया था। विजेता टीम को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम बसंल व राहुल राजपूत, मंडल अध्यक्ष मनीष बगवानी ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर बसंल ने कहा कि खेल से जहां शरीर स्वस्थ होता है, वहीं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा खेल भावना से पैदा होती है। पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, सूरज यादव, बसंत चेलानी, राज सिंघानिया, विनय रावत, मोहन लालवानी, शेटी चंदानी, लवीन मनसुखानी, उमेश नागर, रामू केवट, सईद खान, संतोष यादव, लखन सांकला, हेमंत पारोचे, किशोर साधवानी, ललित रायचंदानी, हरीश आसेरी, पीयूष यादव, मनोज सैन ने अन्य लोग मौजूद रहे।

एक शाम बिना न्यूज के..!

भोपाल। आकाशवाणी भोपाल के संपादकों, समाचार वाचकों और अन्य सहयोगियों के रिक्रिएशन क्लब 'न्यूजरूम' ने नए साल पर मिलन और सालाना मेलमिलाप कार्यक्रम का आयोजन किया। खबरों, बीट,कवरेज और बुलेटिन की व्यस्तता को भूलकर सभी ने लज़ीज़ खाने के बीच डांस,गाने,कविता और कई फन गेम्स का जमकर लुत्फ उठाया। इस दौरान सामूहिक केक काटकर कई साथियों का जन्मदिन भी मनाया गया। कार्यक्रम का सबसे प्रमुख आकर्षण सभी लोगों को व्यक्तिगत रूप से समर्पित अनूठे वीडियो और गाने रहे।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता पटेल ने कम्बल वितरित किए

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अची स्माइल फाउंडेशन ने अपने सामाजिक कार्यों की परंपरा को जारी रखते हुए गरीब और बेसहारा लोगों को राहत प्रदान की। सोमवार को हमीदिया हॉस्पिटल कैंसर अस्पताल रेन बसेरा नादरा बस स्टैंड रेल्वे स्टेशन सहित सड़क के पथवे पर अपना जीवन ज्ञापन कर रहे गरीब लोगों को कार्यक्रम के मुख्यातिथि मध्य प्रदेश व बोर्ड के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सनव्वर पटेल ने मरीजों के परिजनों को कम्मल वितरित किए। इस मौके पर संस्था के संस्थापक एडवोकेट अशरफ अली सचिव काड़ी नमीर उद्दीन ने इस मुहिम का नेतृत्व किया। मप्र वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनव्वर पटेल ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से अचीव्ड स्माइल फाउंडेशन ने समाज को महत्वपूर्ण संदेश दिया है कि ज़रूरतमंदों की मदद करके ही इंसानियत का फ़र्ज़ निभाया जा सकता है। इस अवसर पर वसीम खान,आमिर बाला,अनस खान, समीर खान,गोयान खान आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

वाहन चालकों का बच्चों को निशाना बनाते हैं कुत्ते, मवेशियों से हो रहे रात के समय हादसे

संतनगर में कुत्तों व मवेशियों की धरपकड़ के लिए दिखावे कार्रवाई

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में कुत्ते और आवारा मवेशी बड़ी समस्या बने हुए हैं। नगर निगम धरपकड़ की केवल दिखावी कार्रवाई करता है। मेन रोड व अन्य रास्तों पर मवेशी रात के समय हादसे का कारण बन रहा है और कुत्ते वाहन चालकों पर झूम जाते हैं, कई एक्सीडेंट भी हो चुके हैं। कुत्ते बच्चों को भी अपना निशाना बना चुके हैं। उपनगर की एक भी सड़क और इलाका ऐसा नहीं है, जहां कुत्तों और आवारा मवेशियां नजर न आ रही हों। कुत्तों की मौजूदगी से लोग अपने बच्चों को घर से बाहर निकालने में डरते हैं। कुत्तों का झुंड कई बार वाहन चालकों पर झूम जाते हैं, कुत्तों से बचने के लिए वाहन चालक तेज गति से निकलने की कोशिश करते हैं, जिससे एक्सीडेंट का शिकार हो जाते हैं। रात के समय तो दो पहिया और चार पहिया वाहनों के पीछे दोड़ते हैं।

आवारा मवेशी इन दिनों सड़कों पर ज्यादा बैठे नजर आ रहे हैं। रात के समय इनकी मौजूदगी से वाहन चालक बच-बचकर निकल रहे हैं। कई बार मवेशी न दिखने कारण अचानक ब्रेक लगाने से वह हादसे का शिकार भी हो रहे हैं। साथ दुकानों के सामने गंदगी भी करते हैं। निगम अफसरों के सामने समस्या को उठाया गया है। एक-दुक्का बार कार्रवाई निगम अमला भूल जाता है। वजह कार्रवाई के लिए मुख्यालय स्तर पर स्कॉर्ट है, जिसके पास पूरे भोपाल का काम है। बारिश के सीजन में संतनगर में तो एक बार भी धरपकड़ की कार्रवाई नहीं हुई है।

इन इलाकों में कुत्ते ज्यादा

एफ वार्ड रोड, वन ट्री हिल्स रोड, बलिदानी प्रेम रामचंदानी मार्ग, सीआरपी, आरा मशीन रोड, सैनिक कॉलोनी एवं गिदवानी पार्क आसपास सड़कों पर घूमते कुत्ते रहवासियों के लिए बड़ी समस्या है।

जब मंत्री ने अफसरों को फटकारा, बोले

मवेशियों को सूखा नहीं हरा चारा खिलाएं....

पशुपालन राज्यमंत्री ने भदभदा स्थित पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का निरीक्षण कर अफसरों को फटकारा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मवेशियों को हमेशा सूखा चारा खिलाने पर पशुपालन राज्यमंत्री लखन पटैल ने सोमवार अफसरों को जमकर फटकारा। कहा कि हमेशा मवेशियों को सूखा चारा खिलाने से उनकी सेहत नहीं बनेगी, बल्कि दूध उत्पादन गिरेगा। इसलिए हरा चारा तो खिलाना ही पड़ेगा। मंत्री भदभदा स्थित पशु प्रजनन प्रक्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे थे। मंत्री को गोबर गैस प्लांट बंद मिला। जिस पर वह भड़क गए। उन्होंने कहा कि जब मवेशी है और उनका गोबर भी होता है तो गोबर गैस प्लांट चालू रहना चाहिए, ताकि गैस बने और उसका उपयोग हो सके। उन्होंने प्लांट को तत्काल चालू करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री पटेल ने कहा कि अच्छी नस्ल के प्रजनन योग्य सांड सालरिया गो अभयारण्य, आगर मालवा और अन्य गौशालाओं को भेजें। हरा चारा उत्पादन एवं दुग्ध उत्पादन आदि के संबंध में जानकारी भी ली। मंत्री पटेल ने कहा है कि गोवंश के आहार में हरा चारा के साथ-साथ साइलेज को भी शामिल करें। इससे गोवंश का स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होती है। आहार संरचना के विषय पर अफसरों से सवाल-जवाब किए। दुग्ध उत्पादन में हुई बढ़ोतरी का अध्ययन किया जाए।

साहिबजादों के बलिदान को पाठ्यक्रम में पढ़ेंगे बच्चे

सीएम ने हमीदिया रोड स्थित गुरूद्वारे में मत्था टेका, घोषणा की

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूलों में बच्चे शाहिबजादों के बलिदानों को स्कूली किताबों में जल्द पढ़ सकेंगे। मोहन सरकार साहिबजादों के बलिदान को पाठ्यक्रम में शामिल करने जा रही है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को यह घोषणा दोबारा दोहराई है। वह प्रकाश पर्व पर आयोजित समारोह में शामिल होने हमीदिया रोड स्थित हमीदिया रोड स्थित गुरूद्वारे में पहुंचे थे, जहां उन्होंने मत्था टेका और आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

बलिदान के लिए राष्ट्र नतमस्तक: सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गुरू गोबिंद सिंह ने देश और धर्म के गौरव की रक्षा तथा मूल धर्म की स्थापना के लिए अपने चार साहिबजादों और परिवार का जो बलिदान दिया उसके लिए संपूर्ण राष्ट्र नतमस्तक है। स्वाभिमान और संस्कृति को विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ अपने परिवार को कुर्बान कर देने वाली गुरू जी की जीवन यात्रा सभी के लिए प्रेरणादायी है। गुरू गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना कर यह बताया कि देश और संस्कृति के लिए हथियार उठाकर बहादुरी के साथ ल?ना जरूरी है। धर्म, संस्कृति और इतिहास को बचाने का उनका प्रयास सम्पूर्ण विश्व के सामने एक प्रभावी, अतुलनीय और अद्भुत उदाहरण है। हर युग और हर काल में उनकी शहादत याद रखी जाएगी।

सीएम ने सहयोग का दिया भरोसा

सीएम ने कहा कि साहिबजादों के बलिदान को शालेय पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीर बालकों की शहादत के दिन, वीर बाल दिवस मनाने का निर्णय लिया। साथ ही ननकानासाहिब कॉरिडोर सहित अनेकों सौगातें समाज को प्रदान की है। सीएम ने कहा कि गुरू तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व सहित अन्य आयोजनों में राज्य शासन की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

बच्चों का किया सम्मान

सीएम ने वीर बाल दिवस 26 दिसंबर के मौके पर गुरूद्वारा हमीदिया रोड की व्यवस्थाओं को संभालने वाले बच्चों का सम्मान किया। गुरूद्वारे में सेवा भी की।

सीपीसीटी परीक्षा 11 व 12 जनवरी को होगी

भोपाल। सीपीसीटी परीक्षा 11 और 12 जनवरी को आयोजित होगी। मप्र स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) से प्राप्त जानकारी अनुसार 29, 30 नवंबर और 1 दिसम्बर 2024 को तकनीकी कारणों से रद्द की गई सीपीसीटी (कंप्यूटर प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेशन टेस्ट) परीक्षा आगामी 11 और 12 जनवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में केवल वही परीक्षार्थी शामिल हो सकते है जिन्होंने दिनांक 29, 30 नवंबर और 1 दिसम्बर की परीक्षा के लिए पूर्व में आवेदन किया था। परीक्षार्थी अपने प्रवेश पत्र सीपीसीटी पोर्टल से डाउनलोड कर सकते हैं ।

आईपीएस खान को सीआइएसएफ के उप महानिरीक्षक बनाया

भोपाल। आइपीएस मप्र कैडर 2010 बैच के पुलिस अधिकारी आबिद खान को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति पर (सीआइएसएफ) उप महानिरीक्षक बनाया है। वह 5 वर्ष तक सेवाएं देंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार मप्र सरकार को कहा है कि खान को तत्काल कार्य मुक्त करें।

बिजली विभाग का खंडहर भवन रहवासियों के लिए खतरा

सीएमडी से जवाब तलब

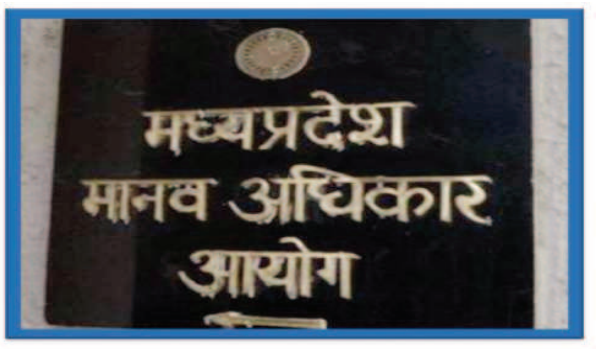

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के पांच मामलों में अधिकारियों से मांगा जवाब

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष (कार्यवाहक) मनोहर ममतानी ने भोपाल सहित प्रदेश के पांच मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला भोपाल शहर के सूखी सेवनिया स्थिति बिजली विभाग के भवन का है। यह भवन जर्जर हो चुका है और यहां बच्चे खेलते हैं। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए आयोग ने सीएमडी, म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण क.लि., भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जन सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्था कर जोखिमपूर्ण भवन/निर्माण को हटाने के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि, भोपाल बिजली विभाग का खंडहर हो चुका भवन रहवासियों के लिए खतरा बन रहा है। खंडहर हो चुके भवन के नीचे बच्चे खेलते एवं घूमते नजर आ रहे है। जर्जर भवन के वजह से बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है।

जर्जर हो चुके नाले से हादसे का खतरा

भोपाल शहर के एम्स अस्पताल के पास एमराल्ड पार्क सिटी के पीछे से गुजरने वाले नाले की हालत जर्जर होने का मामला सामने आया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि विगत एक साल से यह नाला टूटना शुरू हो गया है। सीमेंट के ब्लॉक से नाले से ढका गया था, जो टूटने लगा है। इस कारण नाले पर से आवाजाही करने वाले लोगों के लिये यह नाला खतरनाक बन चुका है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा या दुर्घटना हो सकती है। मामले में आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर शीघ्र जन सुरक्षा एवं सुरक्षित आवागमन के लिये जोखिमपूर्ण स्थिति का निराकरण कराये जाने के संबंध में प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

2 हजार विशेषज्ञों व चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू, साल के अंत तक होगी नियुक्ति

जिला अस्पतालों में सहायक प्रबंधक के 68, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के 120 पदों पर भी होगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से प्रदेश में विशेषज्ञों और चिकित्सा अधिकारियों की भर्ती की जाएगी। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में विशेषज्ञों और चिकित्सा अधिकारियों के करीब दो हजार पदों पर भर्ती को लेकर प्रक्रिया शुरू की गई है। इन पदों में 988 विशेषज्ञों के और बाकी चिकित्सा अधिकारियों के पद हैं। विशेषज्ञों की नियुक्ति विशेषज्ञता के अनुसार चरणबद्ध तरीके से साक्षात्कार के बाद की जाएगी। प्रत्येक विशेषज्ञता के लिए चयन सूची अलग-अलग जारी होगी। इसके अतिरिक्त जिला अस्पतालों में सहायक प्रबंधक के 68 और प्रदेश भर के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के 120 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

प्रदेश में विशेषज्ञों के 1800 से अधिक खाली: उल्लेखनीय है कि प्रदेश में विशेषज्ञों के कुल तीन हजार 725 पदों से 1800 से अधिक विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिस तरह से नए अस्पताल बन रहे हैं उसी के अनुरूप नए पद सृजित करने की भी प्रक्रिया भी चल रही है। अधिकारियों के अनुसार, पद विज्ञापित करने के बाद आयोग ने पिछले माह शुद्धि पत्र भी जारी किया था। इसमें 50 प्रतिशत पद संविदा से भरने का प्रावधान किया गया है। संविदा के अभ्यर्थी नहीं मिलने से यह पद ओपन श्रेणी से भरे जाएंगे।

रिक्त हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि विज्ञापित पदों में से लगभग 60 प्रतिशत ही मिल पा रहे हैं। वर्ष 2023 में सीधी भर्ती से विशेषज्ञों के 888 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था, पर इनमें 506 ही मिले। इसी तरह से चिकित्सा अधिकारियों के कुल पांच हजार 329 पदों में से 1200 से अधिक पद रिक्त हैं

कला के लिए जीवन में विशेष जगह रखें, यह हमें जोड़ती है, प्रेरित करती है : पटेल

एनसीईआरटी के राष्ट्रीय कला उत्सव के समापन समारोह में विजेताओं को राज्यपाल ने किया पुरस्कृत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

देश की सांस्कृतिक समृद्धि का महत्वपूर्ण स्त्रोत बहुरंगी कलाएं है। यह हमारे अंदर की कोमल भावनाओं को जगा कर हमें मनुष्यता का पाठ पढ़ाती है। कलाएं हमारी परम्पराओं, विरासतों, रीति-रिवाजों, संस्कारों, धर्म, समाज, भाषा आदि की विशिष्टताओं को सहेजती और संरक्षित रखती हैं। कला के लिए जीवन में विशेष जगह रखें क्योंकि कला हमें जोड़ती है, प्रेरित करती है और एक समुदाय के रूप में मजबूत बनाती है यह बात राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कही। राज्यपाल पटेल क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान परिसर श्यामला हिल्स भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय कला उत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर देशभर के विजेता छात्र-छात्राओं को कला की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किये और राष्ट्रीय कला उत्सव की विभिन्न विधाओं के निर्णायकों को भी सम्मानित किया। राज्यपाल पटेल ने एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। राष्ट्रीय कला उत्सव का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और एन.सी.ई.आर.टी. के सहयोग से 3-6 जनवरी, 2025 तक किया गया। कला उत्सव में भारत के केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और एकलव्य विद्यालय के लगभग 6 सौ प्रतिभागी शामिल हुए।

कला उत्सव आयोजन की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत: राज्यपाल पटेल का कार्यक्रम में शॉल और पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का वीडियों संदेश प्रसारित किया गया। केन्द्रीय स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने कला के परिचय, प्रकार और उपयोगिता पर अपने विचार रखे। एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी ने कला उत्सव के आयोजन की विस्तार से जानकारी दी। राष्ट्रीय समन्वय डॉ. ज्योत्सना तिवारी ने कला उत्सव आयोजन की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. दीपक पालीवाल ने आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय कला उत्सव के समापन समारोह में केन्द्रीय स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के अपर सचिव आनंद राव पाटिल, कला मनीषी, कला गुरू, विभिन्न विधाओं के प्रतिभागी छात्र-छात्राएं और अभिभावक उपस्थित थे।

संपादकीय

एक नाकामी के कई नुकसान

स्कूली शिक्षा को लेकर कई तरह की चुनौतियां तो सामने नजर आती हैं और समय समय पर विभिन्न रिपोर्टस भी हालात उजागर करती हैं। कई बच्चे स्कूली शिक्षा पूरी नहीं कर पाते या स्कूल तक नहीं पहुंच पाते। यही हालात कुछ व्यवसायिक शिक्षा की स्थिति पर नजर आते हैं हालांकि इसका अलग वजहें हैं लेकिन कुल मिलाकर यह सभी वजहें देश में प्रतिभाओं का सामने न आ पाने की वजहें भी पैदा कर देती हैं। मसलन अभी देश में एक ओर चिकित्सकों की कमी बड़ी समस्या बनी हुई है, तो दूसरी ओर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाने के मामले सामने आ रहे हैं। यह मुद्दा अक्सर अदालतों में उठता रहा है। दाखिले से वंचित छात्र भी गुहार लगाते रहे हैं। अब शीर्ष अदालत को स्पष्ट रूप से कहना पड़ा है कि मेडिकल पाठ्यक्रमों में सीटें खाली नहीं रह सकतीं। इस बार 'सुपर स्पेशियलिटी' संकाय में सीटें खाली रह जाने का मामला सामने आया है। सवाल है कि ऐसी नौबत हर वर्ष क्यों आती है। पिछले वर्ष भी शीर्ष अदालत ने इस पर चिंता जताई थी। तब केंद्र ने हल निकालने की कोशिश की थी और हितधारकों वाली समिति भी बनाई थी। मगर इसका क्या नतीजा निकला? क्या 'नेशनल मेडिकल काउंसिल' की दाखिला नीति में कोई खामी है। प्रति वर्ष चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए बड़ी संख्या में छात्र प्रवेश परीक्षाएं देते हैं। मगर कई दौर की काउंसलिंग के बाद भी सीटें खाली रह जाती हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि क्या विद्यालयों में गुणवत्ता आधारित शिक्षा विद्यार्थियों को नहीं मिल रही। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की बुनियाद में कोई कमी रह गई है? इस पर विचार की आवश्यकता है। यह दुखद है कि विद्यालयों में उतनी योग्य प्रतिभाएं भविष्य के लिए तैयार नहीं हो पा रहीं, जितनी देश को जरूरत है। पिछले साल भी चिकित्सा पाठ्यक्रम में कई सीटें खाली रह गई थीं। यह स्थिति एक तरह से इससे संबंधित नीतियों पर सवालिया निशान है। दूसरी ओर, निजी मेडिकल कालेज जिस तरह से बड़ी रकम लेकर अपनी सीटें भरते हैं, उससे कई गरीब प्रतिभाशाली विद्यार्थी अवसर से वंचित रह जाते हैं। बहुत सारे अभिभावक ऊंची फीस की वजह से अपने बच्चों की मेडिकल की पढ़ाई नहीं करा पाते।यहां भी सरकार को बहुत गंभीरता से इस देखने और कोई रास्ता निकालने की जरूरत है ताकि ऊंची फीस के चलते कोई प्रतिभाशाली बच्चा अपने सपनों को गला न घोंटने पर मजबूर न हो। इसके अलावा, कायदे से देखें तो चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाना इस तथ्य का भी सूचक है कि स्कूल से लेकर कालेजों तक में पढ़ाई-लिखाई की गुणवत्ता इस स्तर की नहीं है कि वहां से योग्य विद्यार्थी तैयार होकर इसमें दाखिले की कोशिश करें। स्वास्थ्य की समग्र तस्वीर को देखते हुए देश को सुयोग्य और विशेषज्ञ चिकित्सकों की बेहद जरूरत है। बीते कुछ समय में लगातार नयी और खतरनाक बीमारियों में इजाफा देखा जा रहा है। कोविड का दौर तो सबको अब तक याद ही है, तब चिकित्सा व्यवस्था कैसे बडा सवाल व समस्या बनी थी। लिहाजा ऐसे हालातों में में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाना सरकार की बड़ी विफलता कई तरह का नुकसान करती है। पहली यह कि इसका दूरगामी असर देश के हेल्थ सिस्टम पर भी पडता है और दूसरा यह कि मेडिकल के क्षेत्र में जाने का मौका कईयों को नहीं मिल पाता, यानि बराबरी के अवसर यहां आकर दम तोड देते हैं।

अपने अनिवार्य कर्तव्यों को पूरा करना चाहिए। क्योंकि कार्य करना, पूर्ण निष्क्रियता से बेहतर है।
- श्रीमद्भगवत गीता

आज का इतिहास

- 1761: पानीपत की तीसरी लड़ाई में अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली ने मराठों को हराया।
- 1789: अमेरिकी जनता ने जॉर्ज वाशिंगटन को देश का पहला राष्ट्रपति चुनने के लिए मतदान किया।
- 1859: अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के खिलाफ अंग्रेजी हुकूमत ने सिपाही विद्रोह में शामिल होने के आरोप में मुकदमा शुरू किया।
- 1953: अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने हाइड्रोजन बम बनाने की घोषणा की।
- 1959: संयुक्त राज्य अमेरिका ने क्यूबा में फिदेल कास्त्रो की नई सरकार को मान्यता प्रदान की।
- 1972: स्पेन के इबीसा क्षेत्र में विमान दुर्घटना में चालक दल के छह सदस्यों समेत 108 यात्रियों की मौत।
- 1987: कपिल देव ने टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट पूरे किए।
- 2000: जकार्ता में 10 हजार मुसलमानों ने मोलुकस द्वीप समूह में ईसाईयों के विरुद्ध जेहाद की घोषणा की।
- 2003: जापान ने विकास कार्यों में मदद के लिए भारत को 90 करोड़ डालर की मदद की घोषणा की।
- 2008:जार्जिया में नेल मिखै साकाश विली को पुन: देश का राष्ट्रपति चुना गया।
- 2010:जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर एक होटल में छुपे आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच लगभग 22 घंटे चली। यह मुठभेड़ दो आतंकवादियों के मारे जाने के साथ खत्म हुई।
- 2015: पेरिस में दो बंदूकधारियों ने चार्ली आब्दो पत्रिका के कार्यालय पर हमला किया। हमले में 12 लोगों की मौत।
- 2015: यमन की राजधानी सना में एक पुलिस कॉलेज के बाहर हुए कार बम धमाके में 38 लोगों की मौत।
- 2020: नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने भुगतान तेज और सुरक्षित करने के लिए वज्र प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह मंच ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित है।
- 2020: ईरान की संसद ने एक विधेयक पारित कर सभी अमेरिकी बलों को आतंकवादी घोषित किया।

निशाना

दिल्ली वालों हमको ही !

-कृष्णेन्द्र राय

छिड़ा पोस्टर वार।
है सत्ता की जंग।।
नए साल में नया जोश।
लौटे फिर उमंग।।
कुर्सी की लड़ाई।
भर रहे हुंकार।।
दिन बचे कुछ शेष।
स्वाभाविक प्रहार।।
हैं जुटे जी जान से।
मिले हमें ही प्यार।।
दिल्ली वालों हमको ही।
पहननाना है हार।।
लगी प्रतिषठा दाव पर।
ना पहुंचाना ठेस।।
पर भविष्य के गर्भ में।
कौन है विशेष।।

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

■ ललित गर्ग

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है?

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है।

शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास

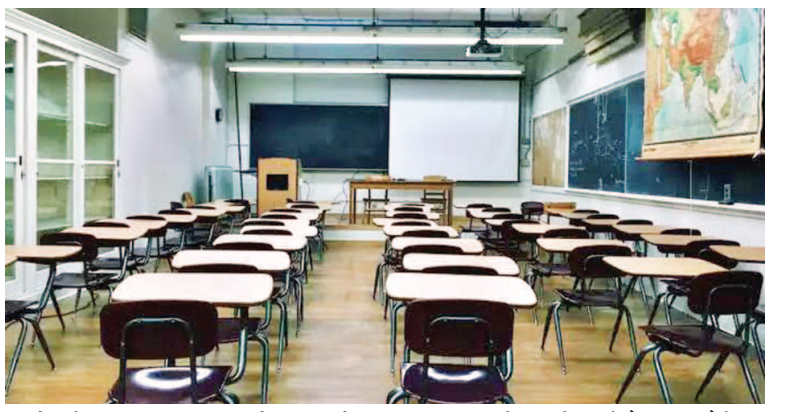

करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है।

भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है। स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है। भारत के 60 प्रतिशत स्कूलों में भी कंप्यूटर उपलब्ध नहीं हैं और इंटरनेट की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या 50 प्रतिशत से भी कम है। आज के समय में जब हमें बड़े पैमाने पर कुशल कामगारों की जरूरत पड़ेगी, तब किसी का कंप्यूटर शिक्षा से वंचित होना बहुत महंगा पड़ेगा। आज के समय में हर छात्र या हर नागरिक को कंप्यूटर और इंटरनेट का सामान्य ज्ञान होना ही चाहिए। कंप्यूटर आज के समय में विलासिता नहीं, बल्कि महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य जरूरत है।

नया भारत बनाने के लिए शिक्षा का बहुत महत्व है। शिक्षा के ज़रिए ही देश का विकास होता है और समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। हालांकि, कई स्कूल अभिभावकों और छात्रों को बनाए रखने और आकर्षित करने के लिए संघर्ष करते हैं। इन संघर्ष की स्थितियां का नियंत्रित होना जरूरी है। इसी से भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था एवं विश्व गुरु होने का दर्जा पा सकेगा। क्योंकि शिक्षा दृष्टि और दृष्टिकोण को बढ़ाती है, जिससे समाज में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा होती है। इससे उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है एवं देश विकास की ओर अग्रसर होता है। सामाजिक न्याय के क्षेत्र में प्रगति करने की इच्छा भी बढ़ती है, अन्याय, भ्रष्टाचार, हिंसा, असमानता और सांप्रदायिकता आदि से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। शिक्षा एक ऐसे लोकतंत्र को सुनिश्चित करती है जिसमें एक सभ्य और सुसंस्कृत समाज शामिल हो। यह आर्थिक रूप से वंचित समूहों के उत्थान में भी मदद करता है और कई नौकरी और रोजगार के अवसरों का निर्माण सुनिश्चित करता है। एक सभ्य शिक्षा प्रणाली विचारों, ज्ञान और अच्छी प्रथाओं का शांतिपूर्ण आदान-प्रदान सुनिश्चित करती है। यह अपराध और आतंकवाद को कम करने में मदद करता है; इस प्रकार, कानून और व्यवस्था के मुद्दों को नियंत्रण में रखा जाता है। एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों को विकसित करने के साथ-साथ भाईचारे की भावना को बढ़ाने में मदद करती है।

भारतीय परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक बड़ी बाधा है। उचित बुनियादी ढांचे की कमी और शिक्षा के प्रति समाज के कई वर्गों में कम उत्साह के कारण भारत में शिक्षा के लक्ष्य पूरे नहीं हो पाते हैं। शिक्षा प्रणाली में कुछ चुनौतियाँ हैं जिनके कारण भारत इष्टतम विकास को पूरा करने में सक्षम नहीं है। भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बेहतर बनाने एवं छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए उन नीतियों पर सख्ती से काम करने की आवश्यकता है जो भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करें।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

जरूरत है मृत्युदंड पर पुनर्विचार की

■ न्यायमूर्ति मदन बी लोकुर

यमन में मृत्युदंड की सज़ा सुनाई भारतीय महिला को बचाने के यत्नों के दौरान हमें यह सोचना चाहिए कि क्या हम को कठोरतम दंड यानी फांसी की सजा देना जारी रखना चाहिए। निमिशा प्रिया नामक नर्स को हत्या का दोषी पाया गया है। उस पर इल्जाम है कि उसने कथित तौर पर पीड़ित (जो कि उसे जानता था) को जेल में मुलाकात के दौरान नशे का इंजेक्शन लगाया था। उसके मृत्यु दंड को रोकने के प्रयास अब तक विफल रहे हैं। एक अंतिम मौका यही बचा था कि मृतक के परिवार को 'खून की कीमत' की पेशकश करना और माफी मांगना। 'खून-माफी' की यह राशि 40,000 डॉलर (लगभग 34 लाख रुपये) आंकी गई है। यह रकम पूरी तो नहीं लेकिन इसका बड़ा हिस्सा नर्स के परिवार द्वारा एक वकील के पास जमा करवा दिया गया है। ऐसा लगता है कि वित्तीय मुआवजे की पेशकश को मान लिया गया है। अब केवल क्षमा-दान का बेसब्री से इंतजार है। हमारी सरकार परिवार की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।पर हम तो हमेशा से यही कहते आए हैं कि 'कानून को अपना काम करने दें', और इस महिला के मामले में भी यही लागू है। तो फिर हमारी सरकार उसकी मौत की सजा टालने के लिए मदद क्यों कर रही है? क्या इसलिए कि सरकार का मानना है कि वह दोषी नहीं है या उसे निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिली? क्या इसलिए कि वह एक भारतीय है और सरकार एक भारतीय नागरिक की जान बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी? क्या इसलिए कि सरकार को लगता है कि सज़ा बहुत कठोर है? कारण चाहे जो भी हो, मदद प्रदान करने के लिए सरकार की सराहना की जानी चाहिए।

लेकिन इस मामले से सरकार को हमारी कानून की किताबों में मृत्युदंड की आवश्यकता पर विचार करना बनता है। आखिरकार, जब हम किसी व्यक्ति को फांसी देते हैं, तब भी तो हम एक भारतीय नागरिक की जान ले रहे होते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उस भारतीय को हमारे अपने देश में फांसी दी जाए या विदेशी धरती पर। यह भी सच है कि हमारी अदालतें मृत्युदंड देने में सतर्क और बेहद सावधान रहती हैं -वे ऐसा दुर्लभतम मामलों में ही करती हैं। लेकिन क्या अभियोजन पक्ष के लिए मृत्युदंड की मांग करने से बचना उचित नहीं होगा? किसी व्यक्ति को फांसी देने से क्या उद्देश्य पूरा हो जाता है?मृत्युदंड पर चर्चा करने पर सामान्य उत्तर यही आता है कि जघन्यतम अपराधों के विरुद्ध ऐसा एक निवारक डर होना जरूरी है। दुर्भाग्य से, इस तर्क का समर्थन करने के पक्ष में कोई सुबूत नहीं है। अमेरिका में मृत्युदंड की

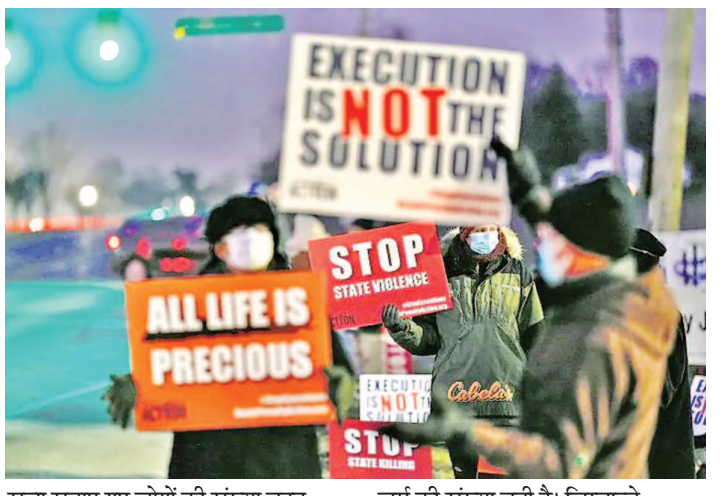

सज़ा सुनाए गए लोगों की संख्या बहुत ज़्यादा है, उनमें से बहुत बड़ी संख्या का मृत्युदंड क्रियान्वित किया भी जाता है। लेकिन क्या इससे वहां के स्कूलों में हत्या करने या सामूहिक गोलीबारी करने या हाल ही में न्यू ऑरलियन्स में हुए नरसंहार जैसे अपराध होना रुक गए?

दूसरी ओर, ऐसा लगता है कि जिन मुल्कों में मृत्युदंड का प्रावधान हटाया गया है, वहां जघन्य अपराधों के मामलों में वृद्धि नहीं हुई है। फ्रांस ने 1981 में यह विकल्प चुना था, चार दशक से अधिक समय बीतने के बाद, इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि वहां जघन्य जुर्म की संख्या बढ़ी है। जिम्बाब्वे, जिसने पिछले साल दिसंबर में मृत्युदंड पर रोक लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में पेश हुए प्रस्ताव पर मतदान में अनुपस्थिति दर्ज करवाई थी, ने भी मृत्युदंड को समाप्त कर दिया है। अब देखना यह है कि इस निर्णय का प्रभाव क्या रहेगा।हमारे देश में प्रति वर्ष बलात्कार और हत्या के हज़ारों मामले दर्ज किए जाते हैं। हमारे यहां आतंकवादी हमलों के भी अनेक मामले हैं। मेरा मानना है कि जघन्य अपराधों से जुड़े इन तमाम मामलों में यदि जांच प्रक्रिया तेजी से पूरी कर ली जाए और एक साल के अंदर मुकदमे की सुनवाई पूरी हो जाए, तो काफी हद तक न्याय मिल जाएगा। इसके वास्ते, जहां हमारी पुलिस को अपराधों की जांच करने के लिए उच्च प्रशिक्षित होने की जरूरत है वहीं हमारे अभियोजन पक्ष और अभियोजकों को भी ठोस और वैज्ञानिक सुबूतों से पूरी तरह लैस होना होगा।

हाल ही में एक अखबार में छपी एक खबर के अनुसार एक मामले में 49 में से 48 गवाह मुकर गए। यह हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली के बारे में क्या बताता है? सिर्फ इतना कि इसमें बड़े पैमाने पर बदलाव की जरूरत है। लेकिन, हो यह रहा है कि हमारे यहां व्यवस्था को सुधारने के बजाय सबसे कठोरतम सज़ा यानी मृत्युदंड और ज्यादा देने की मांग की जा रही है। इससे व्यवस्था को सुधारने में मदद नहीं मिलेगी। देश भर की अदालतों को आपराधिक मामलों में सुनवाई और अपीलों के निपटारे में तेजी लाने की जरूरत है ताकि फैसले पर जल्दी पहुंचा जा सके। तभी जघन्य या अन्य अपराध करने वालों को यह संदेश मिलेगा कि उन्हें सज़ा जल्द मिल जाएगी और जेल काटनी पड़ेगी।कुछ अदालतों ने यह विचार करना शुरू कर दिया है कि जरूरी नहीं किसी व्यक्ति को फांसी पर लटकाना सबसे अच्छा समाधान है। हाल के दिनों में ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें अदालतों ने मौत की सजा सुनाने की बजाय दोषी को 20-25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कुछ मामलों में, बिना किसी राहत के इतनी लंबी जेलबंदी की सजा दी गई है। कुछ केस ऐसे भी रहे, जिनमें दोषी को आजीवन कैद की सजा सुनाई गई है। क्या यह तरीका मौत की सजा जितना कठोर या उससे बढ़िया नहीं? कई देश ऐसा सोचने लगे हैं। मत भूलें कि अबू सलेम को पुर्तगाल से इस शर्त पर प्रत्यर्पित किया गया था कि भारत में उसे मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि मृत्युदंड का उन्मूलन एक बहुत ही विवादास्पद और पेचीदा विषय है, खासकर बलात्कार, हत्या, बच्चों के यौन शोषण और आतंकी हमलों जैसे जघन्यतम मामलों में। फिर भी, हमें इस विषय पर विस्तार से चर्चा करने और किसी तरह की नीति या आम सहमति बनाने की आवश्यकता है, अन्यथा, मृत्युदंड एक जुए का खेल बनकर रह जाएगा। इस बीच, आइए यमन की महिला के लिए प्रार्थना करें।

(साभार : लेखक सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं।)

नर्मदा घाटों पर जारी है साफ सफाई अभियान

हाथ में झाड़ू लेकर घाट की साफ सफाई करने पहुंची कलेक्टर सोनिया मीणा

नर्मदा परिक्रमा वासियों को कंबल वितरित किए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा नर्मदा नदी के घाटों सहित आसपास के क्षेत्र में साफ सफाई अभियान विगत कई महीनों से चलाया जा रहा है। रविवार को सफाई अभियान में कलेक्टर सोनिया मीणा शामिल हुई । उन्होंने घाट पर साफ सफाई कर झाड़ू लगाई और परिक्रमा वासियों को कंबल भेंट किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें शहर को साफ स्वच्छ और सुंदर रखना है। सभी को बढ़-चढ़कर आगे आना चाहिए और इस अभियान में हिस्सा लेना चाहिए। घाटों की सफाई में शहर वासियों का योगदान हो। कलेक्टर ने कहा कि नर्मदाजी और घाटों की से ही नर्मदापुरम जाना जाता है। हम सब यहां परिवारों के साथ आते हैं और प्राकृतिक आनंद लेते हैं । हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम साफ सफाई रखें करें , समझाइश दें और लोगों को जागरूक करें

सुबह से ही महासभा के सदस्य घाटों की साफ सफाई , कचरा इकट्ठा करना, आसपास झाड़ू लगाना सहित लोगों को समझाईश भी दे रहें। नगर पालिका के उपाध्यक्ष और महासभा के पदाधिकारी अभय वर्मा ने कहा कि घाटों सहित शहर की साफ सफाई में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इस मौके पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव, नेहा, रश्मि वर्मा, सारिका सक्सेना समय बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

कलेक्टर ने समाज को कहा कि यह अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने अन्य लोगों से भी इस अभियान में शामिल होने की अपील की। कलेक्टर ने कहा कि हम सभी परिवार के साथ नर्मदा किनारे और घाटों पर प्राकृतिक आनंद लेने आते हैं, इसलिए हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इसे साफ रखें। वहीं संबंधित लोगों को निर्देश दिए कि वे घाटों पर डस्टबिन रखें ।

महासभा के पदाधिकारी प्रदीप श्रीवास्तव ने कहा कि घाटों पर स्वच्छता की दिशा में हम प्रयास कर रहे हैं। यह काम हमेशा जारी रहेगा और शहर भर में इसे चलाया जाएगा। स्वच्छता अभियान के दौरान घाट पर नहाने वाले श्रद्धालुओं को जागरूक किया गया कि वे नर्मदा नदी में कचरा न फैलाएं। मां नर्मदा को प्रदूषण मुक्त और स्वच्छ बनाए रखने का संदेश इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

समाज की सदस्य रश्मि वर्मा ने कहा नर्मदा पुरम को हमें इंदौर से भी स्वच्छ और साफ बनाना है। महासभा की पदाधिकारी ऊषा वर्मा ने कहा कि सुबह से ही समाज के लोग घाट पर जुट जाते हैं। सफाई में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। ?इसके साथ ही अन्य लोगों का भी साथ मिल रहा है। हम लगातार यह अभियान चलाते रहेंगे।

शास्त्री संगीत के मनमोहक कार्यक्रम में भाव विभोर हुए श्रोता

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलाकारों ने गायन वादन को सुर ताल में प्रस्तुति दी

शास्त्री संगीत को प्रोत्साहित करने के लिए हिंदुस्तानी म्यूजिकल समूह द्वारा इटारसी में शास्त्रीय संगीत सभा का आयोजन किया गया। नर्मदापुरम जिले के प्रख्यात तबला वादक एवं सुर वाणी संगीत संस्थान के संस्थापक पंडित राम सेवक शर्मा एवं संगीत गुरु प्राण कृष्ण साईं, इटारसी के वरिष्ठ संगीतकार शेष मेहरा की गरिमामयी उपस्थिति में मां सरस्वती एवं गुरूपूजन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

संगीत सभा का शुभारंभ कु. मीरा चौधरी द्वारा बांसुरी वादन से हुआ। नवोदित तबला वादक मास्टर घनश्याम ने तीन ताल में अपना सोलो वादन में उठान, पेशकार, कायदा एवं टुकड़े एवं द्रुत गति में रैले प्रस्तुत किए. घनश्याम के तबला वादन को सभी श्रोताओं ने सराहा।तत्पश्चात आकाशवाणी द्वारा प्राप्त बी. ग्रेट कलाकार कु सिद्धा साईं द्वारा राग कल्याण एवं मधुवंती राग में विलंबित, मध्य एवं तराना प्रस्तुत कर उप शास्त्रीय संगीत में ठुमरी एवं दादरा के गायन एवं राजेश्वरी भदौरिया द्वारा राग भैरव में अपनी बंदिश से सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि राम सेवक शर्मा ने कहा कि एक और युवा पाश्चयात संगीत को जितना पसंद कर रहे हैं। वहीं हमारे कुछ युवा हमारे प्राचीन शास्त्रोक्त शास्त्रीय संगीत सीखकर इस शास्त्रीय परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। शेष मेहरा ने कहा कि शास्त्रीय संगीत को श्रवण करने से आत्मीय आनंद, मन को शान्ति मिलती है, हमारा भारतीय संगीत ईश्वर की सन्निधि प्राप्त करने का आसान तरीका हैं। संगीत गुरु प्राण कृष्ण साईं ने कहा कि शास्त्रीय संगीत एक साधना हैं, जो बिना गुरु के संभव नहीं है.ये गुरु मुखी विद्या हैं इसे गुरु के सानिध्य में बैठ कर ही सीखा जा सकता हैं। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक राम आशीष पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आभार आयोजक राजाराम चौधरी द्वारा किया गया।

सांसद ने कराया पत्रकारों के आंदोलन को स्थगित

पत्रकार प्रजातंत्र के चतुर्थ स्तंभ है इसलिए इनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी बढ़ जाती है : दर्शन चौधरी

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

पत्रकारों की जायज मांगों के निराकरण के लिए सांसद ने जिला प्रशासन को किया निर्देशित

नरसिंहपुर में संयुक्त पत्रकार मोर्चा द्वारा पत्रकारों की मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल की जा रही थी। अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के पांचवे दिन पत्रकार आशीष साहू (गोटेगांव),पत्रकार सुबोध नामदेव (नरसिंहपुर),पत्रकार कमलेश साहू एवं पत्रकार प्रीतम रजक द्वारा भूख हड़ताल कर विरोध प्रदर्शन किया गया । आंदोलन के पांचवे दिन होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, विश्वनाथ सिंह पटेल (विधायक तेंदूखेड़ा) एवं जिलाध्यक्ष अभिलाष मिश्रा समेत अनेकों भाजपा कार्यकर्ताओं ने धरना स्थल पर पहुंचकर पत्रकारों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को जाना।

जिसमें पत्रकारों द्वारा भ्रष्टाचार की शिकायत प्रकाशित करने पर जिला प्रशासन तुरत संज्ञान लेने, पत्रकारों द्वार मांगी गई आर.टी.आई की जानकारी बिना हीलाहवाली के प्रदान की जावे एवं आर.टी.आई. की जानकारी पी.डी.एफ. के रूप में मोबाईल पर प्रदान कराई जाने, पत्रकारों को डराने, धमकाने, मार-पीट करने वालों पर कठोर कार्यवाही की जावे एवं झूठी शिकायत करने वालों पर भी कठोर कार्यवाही की जाने के साथ तीन माह में एक बार पत्रकार एवं जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों की बैठक अनिवार्य की जाने को लेकर जिला प्रशासन को इन मांगों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र निराकरण कर लिखित रूप से अवगत कराने के लिए निर्देशित किया। जिसके पश्चात पत्रकार बंधुओ ने अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल को स्थगित किया।

स्ट्रीट लाइट चोर गिरोह सक्रिय, नपा अध्यक्ष चौरे के वार्ड से चुराई लाइट

नगरपालिका ने लिखा पुलिस को एफआईआर के लिए पत्र

वार्ड क्रमांक 01, 07, 32 में भी चोरी हुई स्ट्रीट लाइट

इटारसी, दोपहर मेट्रो

शहर में स्ट्रीट लाइट चोर गिरोह सक्रिय हो गया है। चार वार्डों से 11 एलईडी स्ट्रीट लाइट चुराई गई है। इसमें गंभीर बात यह है कि स्ट्रीट लाइट चोर गिरोह ने नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के वार्ड क्रमांक 20 को सबसे पहले निशाना बनाया। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 01, 07 और 32 से भी स्ट्रीट लाइट चोरी गए हैं। नगरपालिका ने इन चोरों से परेशान होकर सिटी थाने में एफआईआर के पत्र लिखा है।

सीएमओ रितु मेहरा ने सिटी थाने में एफआईआर के लिए जो पत्र लिखा है उसके मुताबिक वार्ड 20 में पांच एलईडी लाइट, वार्ड 32 में दो एलईडी लाइट और वार्ड 01 में तहसील रोड से दो एलईडी लाइट व वार्ड 07 से एक एलईडी लाइट चोरी गई है। इनकी कीमत 35 हजार रुपये बताई गई है।

पार्षदों से अध्यक्ष ने की अपील

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने परिषद के सदस्यों से कहा कि वे अपने अपने क्षेत्रों में देखें कि कहीं स्ट्रीट लाइट चोरी तो नहीं हुई है। उनका कहना है कि पार्षद साथियों से नजर रखने को भी कहा है।

नपाध्यक्ष ने बाजार के टॉयलेट की सफाई देखी

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने दोपहर में बाजार के टॉयलेट का निरीक्षण भी किया। उन्होंने स्वच्छता टीम को इन टॉयलेट में सतत निगरानी रखने के लिए निर्देशित किया। यहां उन्हें सफाई व्यवस्था ठीक नहीं नजर आई।

6 वर्षीय मासूम से रेप और हत्या के आरोपी की सिवनी मालवा अधिवक्ता नही करेंगे पैरवी

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

बीते दिनों दुर्भाग्य पूर्ण हुई घटना को लेकर चारों ओर इस बात का दुख है जिसने भी सुनी उसने अपना दुख व्यक्त किया। बीते दिन ग्राम नया पुरा में आरोपी अजय पिता हेमराज बाड़ीबा ने 6 वर्षीय मासूम के साथ जघन्य तरीके से रेप कर हत्या करने के अपराध में आरोपी को तो न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया वही सिवनी मालवा अधिवक्ता संघ ने किसी भी सदस्य पैरवी नही करने का निर्णय लिया । अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने बताया कि अधिवक्ता संघ ने निर्णय लिया है कि ऐसे प्रकरण में कोई भी स्थानीय सदस्य अधिवक्ता पैरवी नही करेगा। अधिवक्ता रानू भार्गव ने कहा कि समाज को कलंकित करने वाले ऐसे राक्षसों को समाज में रहने का कोई हक नही है। जो मासूम साथ हैवानियत की हद से बाहर जाकर हत्या करता है। हम सभी अधिवक्ता इसका विरोध करते है और ऐसे अपराध के आरोपी की पैरवी नही करने की शपथ लेते है। अजीत राजपूत अधिवक्ता ने कहा कि इस तरह का कृत्य समाज को कलंकित करता है। हम इस तरह के अपराधी को अधिक से अधिक सजा दिलाने का प्रयास करेंगे। साथ ही इस अपराध के आरोपी को अधिकतम सजा दिलाने में हम सभी अधिवक्ता प्रशासन के साथ है।

संभागीय स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में बैतूल महाविद्यालय के स्टूडेंट आकाश दुबे प्रथम स्थान पर रहे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में बढ़ोतरी के लिए शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में 6 जनवरी को संभाग स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संभाग भर के विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों में सहभागिता की एवं अपने ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि सामान्य ज्ञान हमें दुनिया के अलग-अलग हिस्सों और घटनाओं की जानकारी देता है। यह हमें हमारी संस्कृति , परंपरा, घटनाक्रम, सामाजिक परिवर्तन , समसामयिकी, राजनीति, सामाजिक , घटनाओं से जोड़ता है एवं हमारा ज्ञानवर्धक करता है। सामान्य ज्ञान हमारे मस्तिष्क की कोशिकाओं को सक्रिय कर स्मरण शक्ति को बढ़ाता है।भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर शासकीय जे एच महाविद्यालय बैतूल के आकाश दुबे , द्वितीय स्थान पर शासकीय महाविद्यालय सारणी के पिंटू शीलू एवं तृतीय स्थान पर एमजीएम इटारसी की श्रद्धा यादव रही। इस अवसर पर डॉ. चंद्रशेखर राज, शैलेंद्र तिवारी, अजय तिवारी, डॉ. प्रीति मालवीय ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. पी आर मानकर ने प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया । कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. रागिनी सिकरवार ने एवं आभार डॉ. रामबाबू मेहर ने किया । कार्यक्रम में डॉ. आरबी शाह , श्रीमती आभा वाधवा, डॉ. निशा रिछारिया, श्रीमती प्रीति ठाकुर, डॉ. कीर्ति दीक्षित, डॉ. श्रद्धा गुप्ता, डॉ. हेमंत चौधरी , कुमारी कृतिका परसाई , श्रीमती प्रीति मालवीय महाविद्यालय स्टाफ एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थिति रही।

मेट्रो एंकर | **नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में जिला हॉकी संघ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता**

डीएचए इटारसी, इटारसी-बी और अमरावती जीते

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में जिला हॉकी संघ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता में सोमवार को तीन मैच खेले गये। मैचों में 15 गोल हुए। तीनों मैच बेहद रोमांचक रहे और टीमों ने तेज हॉकी खेली।

इन मैचों में इटारसी-बी, डीएचए इटारसी और अमरावती ने अपने मैच जीते। मैच में आये अतिथियों का स्वागत डीएचए अध्यक्ष प्रशांत जैन, सचिव कन्हैया गुरयानी, उपाध्यक्ष डॉ. ताविश अरोरा, जयराज सिंह भानू सहित अन्य सदस्यों ने किया।

सोमवार को खेले गए मैच

प्रतियोगिता का पहला मैच इटारसी बी और डीएचए बैतूल के मध्य खेला गया। दोनों टीमों ने मैच के शुरुआत से लगातार हमले किये, लेकिन पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। दूसरे क्वार्टर में टीम के मोहम्मद गाजी के चार गोल की बदौलत इटारसी ने बैतूल को 4-3 के अंतर से हराया। मोहम्मद गाजी ने प्रतियोगिता की पहली हैट्रिक लगायी। बैतूल ने एक गोल पेनाल्टी कॉर्नर में किया और शेष दो मैदानी गोल किये। वहीं दूसरा मैच गाजीपुर उत्तरप्रदेश और अमरावती महाराष्ट्र के मध्य खेला गया। अमरावती के मोहम्मद उजेर ने पहला मैदानी गोल दागकर टीम को बढ़त दिलायी। तीसरे क्वार्टर में अमरावती के कुलदीप ने शॉर्ट कॉर्नर में दूसरा और तीसरा गोल मोहम्मद उजेर ने कर बढ़त 3-0 कर ली। गाजीपुर ने एक गोल करके अंतर को 3-1 किया, लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके। इसी तरह तीसरा मैच डीएचए इटारसी और डीएचए टीकमगढ़ के मध्य खेला गया। पहला गोल टीकमगढ़ की ओर से पेनाल्टी कॉर्नर में किया गया। मध्यांतर तक यह बढ़त बरकरार रही। मध्यांतर के बाद इटारसी की टीम ने बेहतर तालमेल से खेलते हुए पहले पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। एक गोल संजू ने किया। शॉन गिडियन ने लगातार दो गोल करके बढ़त 4-1 कर ली। इटारसी ने यह मैच जीत लिया।

तेंदूखेड़ा प्रीमियर लीग-में नपा व देव डेंजर ने जीता मैच

तेंदूखेड़ा। तेन्दूखेड़ा प्रीमियर लीग-2025 (टीपीएल) क्रिकेट नाईट टूर्नामेंट का पहला मैच हाईस्कूल मैदान में चेतन के टेम्पियन टीम एवं नगर परिषद क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए नगर परिषद की टीम ने 10 ओवर में 9 विकेट खोकर 94 रन बनाएं। जबाव में उतरी चेतन चेंपियन की टीम पांच विकेट खोकर 87 रन ही बना सकी। 7 रन से नगर परिषद की टीम ने जीत हासिल की। नगर परिषद की टीम से सतेंद्र सिंह ने अपना खेल दिखाया तो चेतन चेंपियन की ओर से स्वंय राज्यमंत्री खेल रहे थे। राघवेंद्र ठाकुर ने 43 रन बनाकर 1 विकेट लिया जिन्हें मैन आफ द मैच चुना गया। दूसरा मेंच देवडेंजर एवं गुरूदेव क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। जिसमें गुरूदेव क्रिकेट क्लब ने 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 62 रन बनाएं तो लक्ष्य का पीछा करने उतरी देव डेंजर ने 9.4 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर 4 विकेट से मैच जीत लिया राजकुमार ठाकुर ने दो ओवर में 16 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए जिन्हें मैन आफ द मैच चुना गया। अंपायर शैलेंद्र यादव, सुदीप त्रिपाठी, नितिन जैन रहे। स्कोरर अभिनंदन दुबे, स्वदेष नेमा, अभिषेक मोदी रहे एवं मैच का आंखो देखा हाल बबलू घोषी एवं रवि घोषी के द्वारा सुनाया गया।

हाथी एवं दर्जनों बग्गियों पर गाजे बाजे के साथ निकाली भगवान श्रीजी की भव्य शोभा यात्रा

पैसा सबसे पास लेकिन कीमत सिर्फ पुण्य की : विरंजन सागर

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में गणाचार्य विराग साागर जी महामुनिराज के षिष्य उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी महाराज जी के ससंघ सानिध्य में 25 मंडलीय समवषरण विधान के अंतिम दिन सुबह से भगवान श्रीजी का पूजन, अभिषेक किया गया। साथ ही 25 मंडलो में विराजमान भगवान की शांतिधरा मुनिश्री के द्वारा मंत्रोचारण के साथ की गई। इसके बाद समवषरण विधान की पूर्णआहूति दी गई। इस दौरान मुनिश्री का पादप्राक्षलन एवं शास्त्र भेंट किए गए। मुनिश्री विरंजन सागरजी महाराज ने अपने प्रवचनो में कहां कि जिनेन्द्र भगवान की देषना आत्मकल्याण में देषना है। आप सब ने जिनेन्द्र भगवान की देषना की रसपानकिया है ये पुण्य आपका व्यर्थ नहीं जाने बाला है। जब किसान यदि गेंहू बोता है तो उसके एक थाने के 25 दाने मिलते है। उस किसान को मालूम है कि मैने जो बोया है उसका दूना मिलेगा। ऐसे ही जो आपने आठ दिन तक यहां बोया है यहां पर दान देकर पुण्य करके जो आपने मनोभावना बनाकर विषुष्द परिणाम बनाए है।

ये नष्ट नहीं होगा ये बहुत काम आएगा और ये पुण्य एक दिन अरिहंत बनने मे निमित्त का कारण बनेगा ओर यही पुण्य करते करते एक दिन अरिहंत तक ले जाने में निमित्त बनेगा। तेंदूखेड़ा की चेतन्य आत्माओं आपने पूर्व पर्याय में पुण्य कार्य किए थे उसका उदय है जो आज 25 समवषरण में बैठने का सौभाग्य आपको मिल गया है। क्योकि पैसा तो सबसे पास होता है लेकिन पैसे की कोई कीमत नही है। लेकिन सिर्फ पुण्य की कीमत है। पुण्य होता है वहीं बैठता है। ये नहीं सोचना इतना खर्च हो गया इतना दे दिया। क्योकि कुंआ में से आप जितना सुबह पानी निकलते हो और कुंआ शाम को फिर भर जाता है। अगर पानी नहीं निकालोगे तो कुंआ का पानी भी खराब होने लगता है। ऐसे ही आपने पुण्य कार्यो में द्रव्य को लगाया है। उसका दूना द्रव्य आपके पास आ जाएगां।

दोपहर में विधान मंडल से भगवान श्रीजी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें हाथी पर चक्रवर्ती राजा एवं 29 बग्गियो पर सभी इंद्रो ने बैठकर शोभा यात्रा में भगवान के जयकारे लगाए गए। साथ ही शोभा यात्रा में मुनिसंघ के साथ जयपुर से बैंड बाजे एवं अनेक बाहर से भंजन मंडली भजन गाते चल रहे थे। इसके अलावा हजारो की संख्या में श्रावक श्राविकाओ के द्वारा भजन गाते चल रहे थें लगभग एक किलोमीटर लम्बी भगवान की शोभा यात्रा निकाली गई थी। इसके पहले नगर के सकल जैन समाज ने जहां जहां से शोभा यात्रा निकलनी थी सभी ने अपने घरो के सामने रंगविरंगी रंगोलियां सजाई गई थी। साथ ही शोभा के दौरान जगह जगह पर भगवान श्रीजी की आरती उतारी गई। शोभा यात्रा पंडाल से मुख्य मार्गो से होकर भगवान पार्ष्वनाथ मंदिर एवं भगवान शांतिनाथ मंदिर पहुंची जहां पर विधिविधान से पूजन किया इसके बाद पुनः समवषरण विधान कें मंडप पहुंचे जहां पर विधिविधान से पूजा कर शोभा यात्रा का समापन किया गया।

108 रिद्धि मंत्रों से हुआ भगवान आदिनाथ का अभिषेक

गंजबासौदा। आचार्य श्री विद्यासागर गौशाला में महा मस्ताकभिषेक का आयोजन किया गया, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान का अभिषेक और शांतिधारा कर नए साल की शुरुआत की। प्रातः आचार्य श्री विद्यासागर गौशाला में स्थित भगवान आदिनाथ जिनालय में मंगलाष्टक के साथ आयोजन प्रारंभ हुए, फिर महापात्रों द्वारा रजत कलश लेकर भगवान आदिनाथ स्वामी के मस्तक पर अभिषेक करने का सौभाग्य प्राप्त किया। शांतिधारा के उपरांत रिद्धि मंत्रों के साथ विश्व कल्याण की भावना से 108 रजत कलशों से कलशाभिषेक भी किया गया। केसरिया वस्त्र धारण कर भगवान के मस्तक पर अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। ज्ञात हो गौशाला में विराजमान आदिनाथ भगवान की प्रतिमा अतिप्राचीन है। कड़कड़ाती ठंड में भी महिला पुरूष एवं नवयुवक भगवान की भक्ति करने नगर से 4 किलोमीटर दूर मेवली कांचरोद रोड स्थित आचार्य विद्यासागर गौशाला पहुंचे। जैन समाज द्वारा संचालित आचार्य श्री विद्यासागर गौशाला में लगभग पौने तीन सौ गौवंश आश्रय प्राप्त किए हुए हैं। प्रतिदिन कड़ी ठंड में भी सैकड़ों युवा गौशाला पहुंचकर अपने हाथों से गौ सेवा करते हैं। वहीं गौशाला ट्रस्ट द्वारा गौवंशों को हरी सब्जियों के साथ औषधि युक्त लड्डू भी खिलाए जा रहे हैं।

घने कोहरे से ढका शहर, वाहनों की रफ्तार हुई धीमी

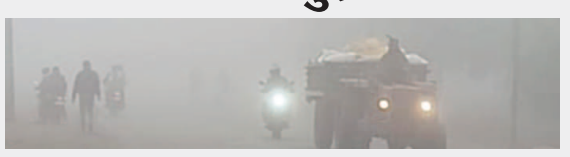

गंज बासौदा। सोमवार को सुबह से ही आसमान में चारों ओर घना कोहरा छाने के कारण सर्दी तो बढ़ी ही है देर से धूप निकलने के लोगों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ा हैं । कोहरा इतना घना था बीस मीटर दूर तक का नहीं दिखाई दे रहा था जिससे सड़क पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई।वहीं ठंड के चलते बाइक सवारों को कड़ाके की ठंड में सफर करना पड़ा। वाहन चालकों को अपने वाहनों की लाइट जलाकर वाहन चलाना पड़ रहा है ।वहीं इलाके में घने कोहरे से तापमान में भी गिरावट आई है। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं।

स्वच्छता में कैसे बनेगा सिरोंज नंबर वन जब जिम्मेदार ही बरत रहे लापरवाही

नपा की लापरवाही शहर में आधा दर्जन सुलभ कॉम्प्लेक्स, चालू सिर्फ एक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एक तरफ जहां केंद्र और राज्य सरकार स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार नए-नए नवाचार कर नागरिकों को स्वच्छता के क्षेत्र में प्रेरित कर रही है, तो वही इसके विपरीत सिरोंज नगर पालिका परिषद इन नवाचारों पर पानी फेरती दिखाई पड़ रही है। जबकि शासन शहर को साफ, स्वच्छ, और सुंदर बनाने के लिए लाखों, करोड़ों रुपए खर्च कर रही है तो वहीं कई तरह के आयोजन कर अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों को मंचों पर सम्मानित भी किया जा रहा है। लेकिन फिर भी सिरोंज में बैठे इन जिम्मेदारों पर इसका कोई असर पड़ता दिखाई नहीं पड़ रहा है। जबकि जिम्मेदारों ने ही लाखों रुपए खर्च कर शहर में अलग-अलग जगह पर आधा दर्जन सुलभ कांप्लेक्स का निर्माण कराया है। इनके संचालन के लिए एक एनजीओ है जिसको जिम्मेदारी दी गई है और मोटी रकम भी खर्च की जा रही है। इसके बावजूद भी शहर में बने आधा दर्जन यह सुलभ कॉम्प्लेक्स सिर्फ बिल्डिंग के रूप में ही दिखाई दे रहे हैं। जबकि अधिकांश में ताले ही डले रहते हैं। वही जब हमारी टीम ने पड़ताल की तो देखने को मिला कि बस स्टैंड स्थित सुलभ कंपलेक्स ही संचालित हो रहा था इसके अलावा सभी जगह सोमवार को तले ही डले मिले। वही पड़ताल के दौरान सामने आया कि बासौदा नाका स्थित सुलभ कॉम्प्लेक्स भी खुलता है लेकिन इसकी समय सीमा तय की गई है, इसलिए यह 24 घंटे में कुछ घंटे ही खोला जाता है। जानकारी के मुताबिक शहर में स्थानीय नवीन बस स्टैंड, बासौदा नाका क्षेत्र, अयोध्या बस्ती, छत्री नाका, उत्कृष्ट विद्यालय क्षेत्र एवं तहसील क्षेत्र में सुलभ शौचालय बनाए गए हैं। जिनमें से अयोध्या बस्ती, छत्री नाका रोड क्षेत्र एवं उत्कृष्ट विद्यालय क्षेत्र आदि क्षेत्रों में बने सुलभ शौचालय बंद होने से जनता के लिए अनुपयोगी साबित हो रहे हैं। स्थानीय छत्री नाका रोड क्षेत्र में बने सुलभ शौचालय की स्थिति काफी दयनीय दिखाई देती है। तथा इसका संचालन भी नहीं हो रहा है। लेकिन सुलभ कॉम्प्लेक्स के संचालन के लिए जिम्मेदारों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसकी वजह से इन सुलभ कॉम्प्लेक्स की सुविधा कई वर्षों से जनता को नहीं मिल पा रही है। वही नगर के मुख्य बाजार में सुलभ कॉम्प्लेक्स की मांग वर्षों से है व्यापारी कर रहे हैं, कई बार आंदोलन भी कर चुके हैं। इसके बावजूद भी जिम्मेदार सुविधा

मुहैया कराने में असफल प्रतीत हो रहे हैं।

मुख्य बाजार में सुलभ कांप्लेक्स की सबसे बड़ी समस्या -

जहां एक ओर शहर में कई सुलभ कॉम्प्लेक्स बंद पड़े होने से जनता को इनकी सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर शहर के मुख्य बाजार में पर्याप्त सुलभ कॉम्प्लेक्स की कमी दिखाई देती है। शहर के मुख्य बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त सुलभ कॉम्प्लेक्स की व्यवस्था करने की व्यापारियों एवं लोगों द्वारा कई बार मांग की जा चुकी है। शहर के मुख्य बाजार में बड़ी संख्या में शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी तादाद में लोग अपने दैनिक उपयोग के सामान एवं अन्य वस्तुओं की खरीददारी करने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मुख्य बाजार में सुलभ कॉम्प्लेक्स की कमी के कारण उनको काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर महिलाओं को काफी परेशानी होती है। वही व्यापारियों एवं नागरिकों को भी काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। मुख्य बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों में कई बार नागरिकों एवं व्यापारियों द्वारा पर्याप्त सुलभ कॉम्प्लेक्स की व्यवस्था किए जाने की मांग की जा चुकी है। लेकिन उनकी समस्या का निराकरण नहीं हो सका है।

वर्षों से बंद पड़ा है छतरी चौराहा स्थित सुलभ कॉम्प्लेक्स -

नगर पालिका परिषद द्वारा लाखों रुपए खर्च कर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सुलभ कॉम्प्लेक्स बनाकर इमारतें खड़ी कर दी लेकिन अधिकांश समय यह बंद रहती है। छतरी चौराहा स्थित सुलभ कॉम्प्लेक्स की स्थिति तो बद से बदतर होती दिखाई पड़ रही है। क्योंकि सुलभ कॉम्प्लेक्स खंडर जैसा दिखाई पड़ता है 24 घंटे ताला डला रहता है जिसके कारण लोग उसका उपयोग भी नहीं कर पाते हैं। स्थानीय रहवासी एवं दुकानदार बताते हैं कि वर्षों से यह इमारत ऐसे ही खड़ी है, सुलभ कॉम्प्लेक्स के नाम पर एक जगह पर बोर्ड लगा दिया है लेकिन कभी भी उपयोग मैं नहीं आती है, यही कारण है कि लोग शौचालय के लिए परेशान होते रहते हैं।

इनका कहना है

मुझे अभी चार्ज मिला है, मैं दिखवाता हूं, क्या परेशानी आ रही है, यही लापरवाही बरती जा रही होगी तो कार्रवाई की जाएगी।

-रोहित तोमरे,
प्रभारी सीएमओ नपा

फिर लौटी ठंड घने कोहरे की चादर में ढंका शहर

अच्छी सर्दी से फसलों को फायदा मिलने का अनुमान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एक बार फिर सर्दी वापस आ गई है, सोमवार की सुबह घने कोहरे से हुई आसपास का भी नजर नहीं आ रहा था 10 बजे तक इसका असर रहा कोहरे के कारण बड़े वाहन चालकों को टाइट जलाकर वाहनों को चलना पड़ा था फिर भी आस पास का भी बड़ी मुश्किल से दिखाई दे रहा था वाहन चलाने में कठिनाई हो रही थी सर्दी का सितम भी एकदम से बढ़ गया है। कंप कपं देने वाली सर्दी पड़ रही है घरों से निकलने में हालत

खराब हो रही है। मौसम में हो रहे बदलाव के बाद सर्दी जुकाम से भी लोग पीड़ित हो रहे हैं ।दूसरी ओर ठंड लौटने से किसानों के चेहरे पर भी रौनक देखने को मिल रही है। सर्दी अच्छी पढ़ने से फसलों के उत्पादन भी वृद्धि होगी पानी की कमी के बाद भी अच्छी फसल आ सकती है ऐसी बात भी किसाने के द्वारा कहीं जा रही है ठंड बढ़ने से सर्दी-जुकाम के मरीजों की भी वृद्धि हो गई है। संक्रांति तक इसी तरह की ठंड पड़ने का अनुमान मौसम विभाग के द्वारा जाहिर किया है।

मेट्रो एंकर | **पाइप लाइन डालने में जमकर भ्रष्टाचार**

पालीवाल कॉलोनी 15 दिन पहले गड्ढा खोदकर छोड़ दिया, दुर्घटना को दावत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

वैसे ही नगरीय क्षेत्र में पाइप लाइन डालने में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है। रिपेयरिंग का काम भी लापरवाही से किया जा रहा है। लाइनों के लीकेजो को ठीक करने के लिए गड्ढे खोदकर इन को कई दिनों तक बंद नहीं किया जाता इनकी वजह से किसी दिन बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती है। घटिया काम होने की वजह से आए दिन लाइनों में लीकेज हो रहे है ।इनको ठीक करने के लिए नगर पालिका परिषद के द्वारा कई दिन लगा दिए जाते हैं। सबसे बड़ी बात तो यहां कि शिकायतों को कई दिनों के बाद तो लीकेज को

देखने पहुंचते हैं फिर यहां पर गड्ढा खोदकर वैसा ही छोड़ दिया जाते हैं। इसी तरह की तस्वीर पालीवाल कॉलोनी में देखने को मिल रही है

पिछले 15 दिन पहले यहां पर लाइन लीकेज होने पर इसको ठीक करने के लिए खुदाई करने के बाद उसको इसी तरह छोड़ दिया गया इस वजह से मोहल्ले के लोगों को आने-जाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रात में या गड्ढा दिखाई नहीं दे देता है मिट्टी इसके आसपास डाली हुई है। रात अंधेरे में दो पहिया वाहन चालकों यहां दिखाई नहीं देता है इस वजह से इनके वाहन दुर्घटना का शिकार भी हो रहे हैं। जल्दी ही गड्ढे को बंद नहीं किया गया तो किसी दिन बड़ी दुर्घटना भी यहां पर घटित हो सकती है। शायद जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी इसी का इंतजार कर रहे हैं ।उसके बाद इसको बंद करने का काम करेंगे नगर में कई जगह ऐसी तस्वीरें देखने को मिल जाएंगे।

भोपाल में बेहतरीन क्रिकेट स्टेडियम बनाएंगे: यादव

भोपाल. दोपहर मेट्रो

भोपाल में भी क्रिकेट स्टेडियम बनाएंगे। मेरी बात बीसीसीआई के पदाधिकारियों हुई है। उन्होंने वन स्टेट वन स्टेडियम की बात कही थी। उस नियम के तहत प्रदेश में पहले से ही होलकर स्टेडियम इंदौर और माधव राव सिंधिया व रूप सिंह स्टेडियम ग्वालियर हैं। लेकिन भोपाल में भी स्टेडियम बन जाए तो क्या बुराई है। इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी नहीं सहीं, आईपीएल तो है। भेल के क्रिकेट स्टेडियम को भी संवारने की बात चल रही है। उसको भी संवारेंगे।

यह बात मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सोमवार को ओल्ड कैंपियन मैदान पर कही। वे 30वें डिजिआना-आईईएस इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इसके बाद उन्होंने बाकायदा ग्लव्स पहनकर बलला थामा और कुछेक दर्शनीय शॉट खेलकर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस दौरान खेलमंत्री विश्वास सारंग, भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, बीडीसीए के प्रेसिडेंट ध्रुवनारायण सिंह, दिलीप बिल्डकॉन के एमडी दिलीप सूर्यवंशी, खेल संचालक रवि गुप्ता, डायरेक्टर जनसंपर्क अंशुल गुप्ता, आईईएस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति बीएस यादव, डिजिआना ग्रुप के सीएमडी तेजिंदर सिंह घुम्मन, स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति प्रो सिद्धार्थ चतुर्वेदी, फेथ क्लब के एमडी राघवेंद्र सिंह तोमर, डिजिआना के ग्रुप एडिटर रिजवान अहमद सिद्दीकी और भोपाल खेल पत्रकार संघ के मुख्य संरक्षक मृगेंद्र सिंह उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने बल्ला चलाकर किया इंटर प्रेस क्रिकेट का आगाज

30वां डिजिआना-आईईएस इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

राजस्थान का विजय रथ थमा, सिक्किम ने दी मात

मुंबई. सिक्किम ने विजय हजारे ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट के रविवार को खेले गए ग्रुप-बी के रोमांचक मुकाबले में राजस्थान को 6 रन से हराकर उसका लगातार पांच मैच जीतने का विजय रथ थाम दिया। राजस्थान की यह सात मैचों में दूसरी हार है। सिक्किम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पार्थ पालावत (80), आशीष थापा (73) और अंकुर मलिक (नाबाद 37) की पारियों से 50 ओवर में 5 विकेट पर 275 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 50 ओवर में 269 रन पर सिमट गई। कप्तान मानव सुथार ने 57, अजय सिंह कूकना ने 56, रिशित सैनी 49 और कार्तिक शर्मा ने 45 रन का योगदान किया।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में जसप्रीत को रोहित शर्मा का डिप्टी बनाने की तैयारी

गिल से छिन सकती है वनडे टीम की उपकप्तानी, टीम में जगह पर भी संकट

नईदिल्ली, एजेंसी

वक्त कितनी तेजी से बदलता है, इसका बड़ा उदाहरण शुभमन गिल हैं। एक साल पहले तक गिल को तीनों प्रारूपों में भारत का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज माना जा जाता था और उन्हें भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जा रहा था। गिल के कारण अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन को ना सिर्फ भारतीय टीम से जगह गंवानी पड़ी बल्कि कुछ समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने को मजबूर होना पड़ा। लेकिन अब हालात यह हैं कि गिल ना सिर्फ कप्तानी की होड़ से बाहर हो गए हैं बल्कि भारतीय टीम में उनकी जगह भी मुश्किल में पड़ गई है।

रिपोर्ट के तहत, 19 फरवरी से शुरू होने वाली वनडे चैंपियंस ट्रॉफी में गिल भारतीय टीम के उपकप्तान नहीं होंगे। गिल श्रीलंका के खिलाफ जुलाई 2024 में खेली गई तीन वनडे की सीरीज में उपकप्तान थे। चयनकर्ताओं का मानना है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उपकप्तान बुमराह को होना चाहिए। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में दो टेस्ट में कप्तानी की थी और एक में जीत दिलाई थी।

पिछले वनडे मुकाबलों में 57 रन ही बना सके गिल

पदार्पण का इंतजार: यशस्वी को वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने का इंतजार है। उन्हें टी-20 में भारत की ओर से खेलने का मौका मिल चुका है। इसमें उन्होंने 23 टी-20 में एक शतक और पांच अर्धशतक से 723 रन ठोके हैं। माना जा रहा है कि यशस्वी को चैंपियंस ट्रॉफी में जगह मिल सकती है। गिल के लिए वनडे में सबसे बड़ी चुनौती यशस्वी जायसवाल बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यशस्वी ने पांच टेस्ट में सर्वाधिक 391 रन ठोके। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता है और वह लंबी पारी खेलने के लिए जाने जाते हैं।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल: सबालेंका ने जीता सीजन का पहला खिताब

फाइनल में कुदेरमेतोवा को हराया

ब्रिस्बेन. एजेंसी

ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताबी हैट्रिक बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहीं बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने सीजन का शानदार आगाज किया। सबालेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में रविवार को खेले गए फाइनल में रूस की पोलिन कुदेरमेतोवा को 4-6, 6-3, 6-2 से हराया। गत वर्ष ब्रिस्बेन में फाइनल में सबालेंका को एलेना रिबाकिना के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी।

लेहेका पुरुष एकल में चैंपियन: टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका चैंपियन बने। अमरीका के राइली ओपेल्का पहले सेट के दौरान अनफिट हो गए, जिसके बाद वे मैच में लौटने में असमर्थ दिखे। उन्होंने लेहेका को 4-1 के स्कोर के बाद वॉकओवर दे दिया।

हेनरी-यंग ने न्यूजीलैंड को दिलाई जीत

वेलिंगटन. मैट हेनरी (19 पर 4) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विल यंग (नाबाद 90) की बेहतरीन पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने रविवार को पहले वनडे मैच में श्रीलंका को नौ विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम 43.4 ओवर में 178 रन पर ढेर हो गई। जवाब में न्यूजीलैंड ने 26.2 ओवर में एक विकेट पर 180 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। रचिन रविंद्र ने 45 रन बनाए।

गोल्ड ईटीएफ ने जीता दिल, एक साल में ट्रेडिंग वॉल्यूम 170% बढ़ा

कमोडिटीज: 26 फीसदी रहा गोल्ड ईटीएफ का औसत रिटर्न 2024 में, सोने की कीमतें बढ़ने और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की नई सीरीज जारी नहीं होने से बढ़ा आकर्षण

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

दुनियाभर में गोल्ड ईटीएफ की मांग बढ़ी है। दिसंबर 2024 में ग्लोबल लेवल पर गोल्ड ईटीएफ में 1.35 अरब डॉलर का निवेश हुआ। वहीं भारत में 2024 में गोल्ड ईटीएफ की ट्रेडिंग वॉल्यूम में दोगुने से भी अधिक इजाफा हुआ। बीएसई और एनएसई पर गोल्ड ईटीएफ का ट्रेडिंग वॉल्यूम 2024 में 170 फीसदी बढ़कर 26,587 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो 2023 में 9866 करोड़ रुपए था। गोल्ड की कीमतें बढ़ने और नया सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) जारी नहीं होने से निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ में जमकर पैसा लगाया।

इसलिए बढ़ी गोल्ड ईटीएफ की मांग:

अमरीका में ब्याज दरों में कटौती से गोल्ड की कीमतों में जबरदस्त तेजी आई, इससे गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा। दुनियाभर के सेंट्रल बैंक खासकर चीन की तरफ से सोने की खरीदारी, ग्लोबल लेवल पर महंगाई दर अधिक रहने से गोल्ड ईटीएफ को सपोर्ट मिला। भू-राजनीतिक तनाव खासकर इजरायल और हमास के बीच जारी सैन्य संघर्ष से भी निवेश के सुरक्षित विकल्प के तौर पर गोल्ड की मांग बढ़ी। लिक्विडिटी के मामले में गोल्ड ईटीएफ फिजिकल गोल्ड और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड से बेहतर हैं, साथ ही ये एसजीबी से बेहतर कीमत पर सेंकेंडरी बाजार में मिल रहे हैं। मल्टी-एसेट फंड्स की चमक बढ़ने से फंड हाउस ने गोल्ड ईटीएफ में जमकर निवेश किया। 44,244 लाख करोड़ रुपए हुआ गोल्ड ईटीएफ का एयूएम, इनमें अब तक आया निवेश 19 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया।

पीएसयू का लगातार चौथे साल बेंचमार्क इंडेक्स से ज्यादा रिटर्न, 2025 में भी आगे!

नईदिल्ली, एजेंसी

सरकारी कंपनियों (पीएसयू) स्टॉक्स का परफॉर्मेंस 2024 में मजबूत रहा और लगातार चौथे साल पीएसयू इंडेक्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स से अधिक रिटर्न दिया। बीएसई पीएसयू इंडेक्स 21त्न तो सेंसेक्स 8त्न ही चढ़ा। 2025 के शुरुआती 3 कारोबारी सत्र में भी यही ट्रेंड जारी रहा। सेंसेक्स 1.58त्न तो पीएसयू इंडेक्स 2.29त्न चढ़ा। पिछले साल 40 से अधिक पीएसयू स्टॉक्स ने डबल डिजिट में रिटर्न दिया और टॉप 10 पीएसयू स्टॉक्स ने 60त्न से 135त्न तक रिटर्न दिया। हालांकि जीएमडीसी, न्यू इंडिया एश्योरेंस, कॉनकॉर, मिश्र धातु निगम जैसे दर्जनों पीएसयू ने 27त्न तक निगेटिव रिटर्न दिया। बाजार के जानकारों का मानना है कि 2025 में पीएसयू सेक्टर स्टॉक स्पेसिफिक हो सकता है। वेल्थमिल्स सिक्योरिटीज के क्रांति बाथिनी ने कहा, एक साल पहले पीएसयू से जितना रिटर्न मिला, अब उस तरह की तेजी की उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। वहीं एक्सिस सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड राजेश पालविया ने कहा, शेयर बाजार में कान्फिडेंस लौट रहा है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

गोविंदा से शादी करना चाहती थीं रवीना, पत्नी सुनीता आहूजा ने किया खुलासा

गोविंदा और रवीना टंडन ने अंदाज अपना अपना, अखियों से गोली मारे और परदेसी बाबू समेत कई फिल्मों में अपनी रोमांटिक केमेस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता है, लेकिन क्या आपको पता है कि इन फिल्मों में काम करते दौरान रवीना का दिल गोविंदा पर इस कदर आ गया था कि वह उनसे शादी करना चाहती थीं। इस बात का खुलासा खुद हीरो नंबर 1 की पत्नी सुनिता आहूजा ने किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान हीरो नंबर 1 की पत्नी सुनीता ने कहा कि अगर रवीना गोविंदा से पहले मिलतीं तो उनसे शादी कर लेतीं। सुनीता ने कहा, रवीना अब भी कहती हैं- चीची तू मुझसे पहले मिलता तो मैं तेरे से शादी करती। रवीना की इस बात कर सुनीता ने कहा, ले जा, पता चलेगा तेरेको। आगे सुनीता ने कहा सिर्फ रवीना ही नहीं बल्कि वह गोविंदा की को-स्टार शिल्पा शेट्टी और मनीषा कोइराला के साथ भी समय बिताती थीं। हीरो नंबर वन की पत्नी सुनीता ने कहा, हम सब शूटिंग के बाद साथ में खाना खाते थे। सुनीता आहूजा ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने अपने बच्चों की परवरिश की, जबकि गोविंदा उन दिनों लगातार काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वह अक्सर गोविंदा के साथ आउटडोर शूटिंग के लिए जाती थीं। सुनीता ने कहा, हम उनसे मिल भी नहीं पाते थे। वह घर आकर कुछ घंटों के लिए सो जाते थे। उस समय तक टीना का जन्म हो चुका था, इसलिए मैं पूरी तरह से उनके और अपनी सास के साथ व्यस्त थी। साथ ही, बहुत सारे आउटडोर शूट भी थे। वे शिमला, कश्मीर जाते थे और मैं अपने बच्चे के साथ होती थी, इसलिए मुझे पता ही नहीं चलता था कि समय कब बीत गया। इसके अलावा, कभी-कभी हम उनके साथ मद्रास, हैदराबाद में आउटडोर शूट के लिए भी जाते थे। पैक अप के बाद हमें जो भी समय साथ मिलता था हम उसे एंजॉय करते थे। गोविंदा और सुनीता आहूजा ने मार्च 1987 में शादी की थी। दोनों टीना आहूजा और यशवर्धन आहूजा के माता-पिता हैं। टीना ने 2015 में रोमांटिक कॉमेडी सेकंड हैंड हसबैंड से बॉलीवुड में डेब्यू किया और मिलो ना तुम और ड्राइविंग मी क्रेजी जैसे म्यूजिक वीडियो में भी काम किया।

इरफान खान ने 'एयरलिफ्ट' करने से कर दिया इनकार, फिर अक्षय कुमार ने की

साल 2016 में आयी फिल्म एयरलिफ्ट को फैंस ने बहुत पसंद किया। फिल्म को लेकर इरफान खान ने निखिल आडवाणी से कुछ बातें कीं। निखिल आडवाणी ने इरफान खान को लेकर कहा कि वे इस फिल्म में इरफान खान को कास्ट करना चाहते थे, हालांकि इरफान खान ने ही उन्हें अक्षय के साथ फिल्म करने की राय दी। इरफान खान का मानना था कि अगर वे अक्षय कुमार के साथ फिल्म करेंगे तो उन्हें बड़ा बजट मिल सकता था। गलाटा प्लस से बातचीत में निखिल ने बताया कि एयरलिफ्ट निर्देशक राजा मेनन इरफान खान को कास्ट करना चाहते थे। उन्होंने इरफान खान के साथ मीटिंग की। इस पर इरफान खान ने कहा, बॉस मेरे साथ मत करो ये पिक्चर। यह एक शानदार फिल्म है लेकिन मेरे साथ मत करो क्योंकि तुम्हें बजट नहीं मिलेगा। अक्षय के पास जाओ। तुम अक्षय को जानते हो। एयरलिफ्ट के बारे में सुनने के बाद अक्षय ने राजा के साथ बहुत सारी वर्कशॉप में काम किया। निखिल ने बताया, मैं अक्षय के पास गया, उन्होंने फिल्म को बकवास बताया। इसके बाद मैंने उनसे एयरलिफ्ट को लेकर बात की और बताया कि इरफान ने इस फिल्म को करने से मना कर दिया है। इस पर अक्षय ने कहा कि तो आप मेरे पास क्यों आए हैं। मैंने उनसे कहा, आप इसे नहीं कर सकते हैं क्योंकि ये बहुत सीरियस फिल्म है, आपको इसकी लाइनें भी याद करनी होंगी। इसके बाद राजा मेनन ने बहुत सारी वर्कशॉप की। मैंने कहा कि राजा आपके साथ काम नहीं करना चाहते, इसके बाद भी अक्षय ने ये फिल्म की।

ऐसी है फिल्म की कहानी: अगस्त 1990 में कुवैत पर इराक के आक्रमण की घटना पर आधारित थी। अक्षय कुमार ने इसमें एक बिजनेसमैन की भूमिका निभाई, जो 1,70,000 से अधिक देशवासियों के लिए काम कर रहे थे।

विदेश में नए साल का जश्न मनाकर घर लौटीं करीना कपूर, शेयर कीं तस्वीरें

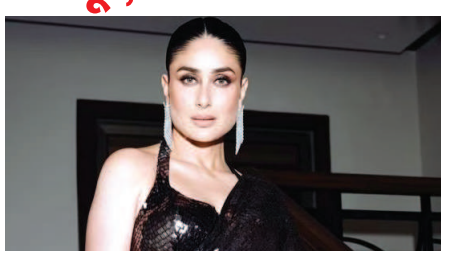

नया साल यानी साल 2025 शुरू हो चुका है और इसे शुरू हुए आज छठा दिन है। मगर, करीना कपूर खान अभी तक इसके जश्न में डूबी हैं। अव्वल तो उनके मुताबिक नया साल 1 जनवरी से 5 जनवरी तक नहीं, बल्कि सोमवार से माना जाना चाहिए। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक मैसेज लिखकर यह बात कही है। इसके बाद इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपनी न्यू ईयर वेकेशन की फोटोज शेयर की हैं। करीना कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है, तो हम सभी इस बात पर सहमत हैं कि 2 से 5 जनवरी अभी भी 2024 ही है, है न सोमवार से नया साल है। इसके बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है। इसमें वे अपने पति व एक्टर सैफ अली खान और बच्चों के साथ नजर आ रही हैं। करीना कपूर ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर कैप्शन लिखा है, साल 2025 में इस मूड के साथ घर की ओर प्रस्थान। करीना कपूर हर बार न्यू ईयर पर अपने परिवार के साथ विदेश यात्रा पर जाती हैं।

महिला बैंक कर्मी डिजिटल अरेस्ट, असली पुलिस ने छुड़ाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महिला बैंककर्मी को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी का प्रयास किया गया। ठग के फोन से घबराई महिला ने खुद को कमरे में बंद कर वीडियो कॉल पर बातचीत शुरू कि तो स्वजनों को शंका हुई। उनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने बैंककर्मी को डिजिटल अरेस्ट से मुक्त कर साइबर ठगी से बचाया। महिला ने कोलार थाने में ठगों की शिकायत की है।

जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय प्रणाली थूल कोलार के दानिश कुंज में परिवार के साथ रहती हैं। वह बैंक ऑफ इंडिया में क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। प्रणाली की सास संगीता ने बताया कि रविवार को वे दोनों घर में अकेली थीं। दोपहर 12ः40 बजे प्राणाली को फोन आया, फोन करने वाले ने खुद को एसबीआई बैंक का प्रतिनिधि बताया। उसने कहा कि आपके खाते से दो करोड़ 56 लाख रुपये का अवैध लेनदेन हुआ है। इसकी जांच मुंबई क्राइम ब्रांच पुलिस कर रही है।एक ठग का फोन कटा तो उनके मोबाइल पर तुरंत दूसरे ठग का वीडियो काल आया। तब तक प्रणाली ने दूसरे कमरे में जाकर दरवाजा अंदर से बंद कर लिया था। दूसरे ठग ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। वह वर्दी में था वीडियो कॉल पर नजर आया जैसे कि सच में वह किसी पुलिसऑफिस में ही बैठा था। इसके बाद उन्होंने पूछताछ शुरू की। करीब 40 मिनट की बात के बाद प्रणाली ने अपना आधार कार्ड ठगों को दिखा दिया था और उसके नंबर भी बता दिए थे, ठगों ने बैंक डिटेल भी मांगी थी।

कांग्रेस अजा मोर्चा

कांग्रेस अजा मोर्चा अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के नेतृत्व में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के खिलाफ प्रदर्शन किया गया और आरटीओ सौरभ शर्मा मामले में सीबीआई जांच और मंत्री की सरकार से बर्खास्त की मांग की गई।

विवि कर्मचारियों को नियमित करने कुलगुरू को सौंपा ज्ञापन

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने स्थाई कर्मचारियों को नियमित करने सहित पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन कुलगुरु प्रो. राजेंद्र त्रिपाठी को सौंपा। त्रिपाठी ने मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर पूरी कराने का प्रयास करने का आश्वासन दिया है। कर्मचारी मंच के अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि मंच का प्रतिनिधिमंडल कुलगुरु से मिला था। उन्हें पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें स्थाई कर्मियों को नियमित करने, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ देने, अकुशल श्रमिकों का श्रेणी परिवर्तन करने, 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित करने, स्थाई कर्मियों को सरकारी कर्मचारी के समान अवकाश सुविधा का लाभ देने, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में अनुकंपा नियुक्ति देने की मांगों को प्रमुखता के साथ रखा गया है। उन्होंने बताया कि मंच ने विश्वविद्यालय कुलगुरु को 15 जनवरी तक मांगों को पूरा करने का लिखित पत्र सोपा है। चर्चा में कुलगुरु ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि अतिशीघ्र ही मांगों को लेकर सकारात्मक निर्णय किया जाएगा।

मामला राजधानी में 32 करोड़ रुपए की जमीन बिक्री का

बिल्डर अपहरण कांड की गुत्थी उलझी आरोपी फरार, एक-दूसरे पर लगा रहे आरोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में एक बिल्डर नीतेश ठाकुर के अपरहण का मामला उलझता जा रहा है। दरअसल इस मामले में एक आरोपी पंकज परिहार ने कहा है कि हम पर झूठी एफआईआर दर्ज कराई है। होशंगाबाद रोड पर एक कीमती जमीन का सौदा किया था। नीतेश हमारा पार्टनर है। इस सौदे में हमने 30 करोड़ रुपए प्रॉफिट कमाया।

नीतेश की नीयत इस रकम को हड़पने की है। एडवांस के दस करोड़ रुपए मिले थे, वो नीतेश ने हमें फंसाने पर खर्च कर दिए। वल्लभ भवन में पदस्थ एक आईजी के नाम से नीतेश धमकाता है। हमारे घर पुलिस टीम के साथ पहुंचता है। पुलिस के नाम से धमकाता है।

नीतेश स्वयं एक अपराधी है, जिसके खिलाफ कोलार, कोहेफिजा और सीहोर में कई आपराधिक केस दर्ज हैं। मैं निर्दोष जेल नहीं जाउंगा, ऐसी नौबत आई तो मैं परिवार सहित वल्लभ भवन के सामने सुसाइड कर लूंगा। परिहार ने एक वीडियो जारी कर डीजीपी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की गुहार लगाई है।

यह वीडियो सोशल मीडिया के जरिए सामने आया है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती। लेकिन यह मामला कोलार थाने में दर्ज है। दरअसल, पंकज सहित मामले के फरार सभी पांच आरोपियों पर हाल ही में तीस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। केस की जांच एसआईटी कर रही है। मगर करीब डेढ महीने बाद भी पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर सकी है।

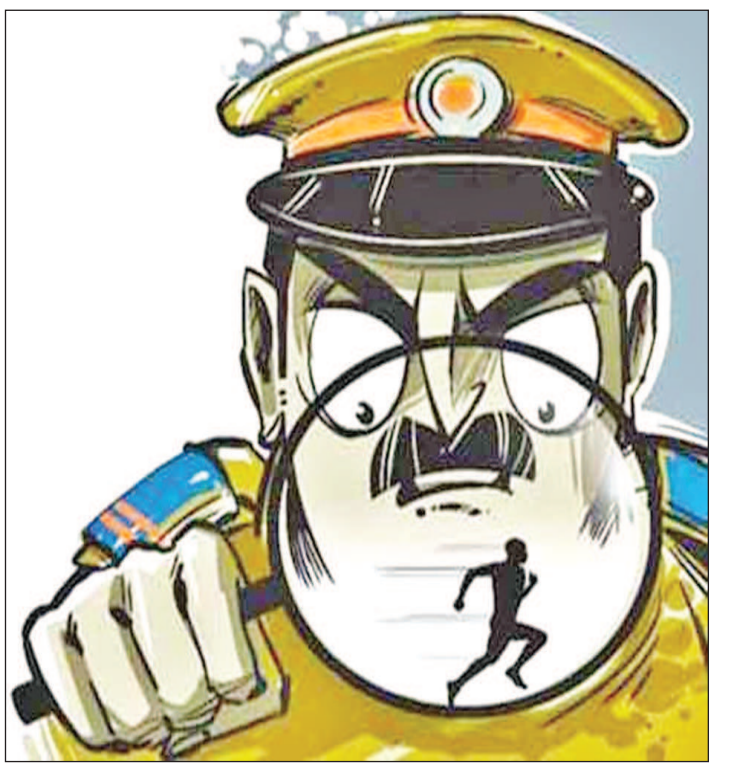

आरोपियों की तलाश जारी- पुलिस का कहना है कि एसआईटी मामले की जांच में जुटी है।

आरोपियों की तलाश में उनके ग्वालियर स्थित ठिकानों पर भी पुलिस दबिश दे चुकी है। जांच के बाद ही प्रकरण दर्ज किया गया था। जांच के दौरान कोई आरोपी सामने नहीं आया, स्वयं के निर्दोष होने के प्रमाण भी जांच के दौरान नहीं दिए गए।

शादी का न्योता देकर ग्वालियर बुलाया, बंधक बनाया

उधर बिल्डर ठाकुर का कहना है कि वह दानिश हिल्स कोलार में रहते हैं व भोपाल में रियल एस्टेट का काम हैं। हाल ही में मिसरोद में 32 करोड़ रुपए की एक जमीन बेची है। इसकी जानकारी उनके पूर्व परिचित संजय राजावत निवासी ग्वालियर, पंकज परिहार पिपरोली इटावा व भोपाल ट्रैफिक पुलिस के आरक्षक रहा हेमंत चौहान समेत ओम राजावत और आकाश राजावत को थी। आरोपियों ने उसे शादी का न्योता देकर ग्वालियर बुलाया और बंधक बना लिया। इसके बाद दस करोड़ रुपए की मांग की। रकम नहीं देने पर उसे पीटा, आरोपियों ने नितेश की पत्नी से 30 लाख रुपए की वसूली भी कर ली थी।

मंत्रालय के पास से 8 हजार झुग्गियों की शिफ्टिंग के लिए जगह की तलाश

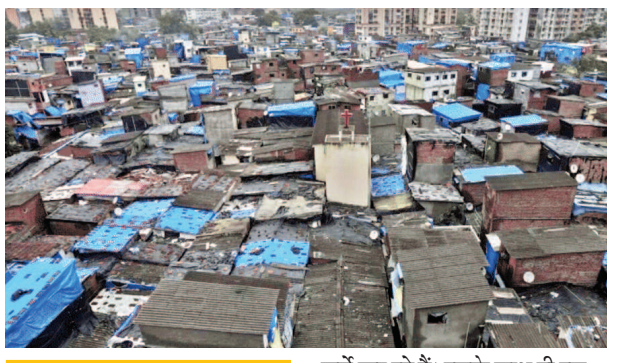

तीन किमी के दायरे में तलाशी जा रही जमीन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजय् मंत्रालय यल्लभ भवन के पास चिह्नित की गई 8214 झुग्गियां हटाने को लेकर प्रमुख सचिव ने कामकाज की समीक्षा की है। उन्होंने हटाए जाने वाली झुग्गियों को दूसरी जगह शिफ्ट करने की संभावित जगहों के बारे में पूछा। इस पर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण ने बताया कि उनके द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार अपडेट प्लान पर काम कर रहे हैं। इसके लिये टीटी नगर और एमपी नगर में झुग्गीवासियों के लिए जमीन का सर्वे कर रहे हैं। इसके साथ ही इस पूरी जमीन का प्लान अपडेट किया जा रहा है। इसमें कितना ग्रीन लैंड रहेगा, कहां पर कमर्शियल और कहां रहवासी हो सकता है यह देखा जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने पीएस ने वल्लभ भवन के सामने झुग्गियों को हटाकर हाइराइज बिल्डिंग बनाने से मना कर दिया था। उन्होंने सुरक्षा कारणों से इन सभी को दूसरी जगह विस्थापित करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने वल्लभ भवन के तीन किलोमीटर के दायरे में दूसरी जगह की तलाश करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद नगर निगम ने बी और सी प्लान पर काम शुरू कर दिया है। हालांकि इस दिशा में अभी ज्यादा आगे काम नहीं हो पाया है।

नसबंदी के दौरान महिला की मौत मामले में डॉक्टर समेत तीन पर प्रकरण दर्ज

काटजू अस्पताल का मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के काटजू अस्पताल में नसबंदी के लिए सिवनी मालवा से आई महिला की मौत के मामले में टीटी नगर पुलिस ने स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनंदा जैन, एनेस्थिसिया विशेषज्ञ डॉ. केलू ग्रेवाल और अधीक्षक प्रवीण सिंह के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है। यह मामला कोर्ट के निर्देश के बाद दर्ज किया गया।

बताया जाता है कि यह मामला 14 मई 2023 का है। तब सिवनी मालवा निवासी रीना गौर (38) नसबंदी ऑपरेशन के लिए काटजू अस्पताल में भर्ती हुई थी। ऑपरेशन थियेटर में ले जाने के 20 मिनट बाद उसकी मौत हो गई। रीना के पति अविनाश गौर के मुताबिक ऑपरेशन से पहले रीना पूरी तरह स्वस्थ थी, पर जब उसे थियेटर से बाहर लाया गया तो उसका पेट फूला हुआ था और जीभ बाहर थी। डॉक्टरों और स्टाफ ने गलत जानकारी दी और कहा कि ऑपरेशन के दौरान अटैक आने से रीना की मौत हुई है। अविनाश ने शिकायत अस्पताल प्रबंधन के अलावा आला अधिकारियों से की, पर कोई नतीजा नहीं निकला।

मेट्रो एंकर कटारा हिल्स क्षेत्र का मामला

काम अधूरा छोड़ा : ठेकेदार पर जिला उपभोक्ता फोरम ने ठोका जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जिला उपभोक्ता फोरम ने इंटीरियर डिजाइनिंग और मॉड्यूलर किचन के लिए पैसा लेने के बाद भी पूरा काम न करने पर एक कांन्ट्रैक्टर पर जुर्माना लगाया है। जानकारी के मुताबिक शिवाजी नगर निवासी अमित कुमार ने रोहित नगर स्थित किचन इंपीरियर एंड केके इंटीरियर को अपने घर में मॉड्यूलर किचन और इंटीरियर डिजाइनिंग का काम सौंपा था। अमित की मुलाकात ठेकेदार अल्पना सिसोदिया और राज सिंह से हुई। यह काम 1.78 लाख रुपए में तय हुआ।

इसके लिये अमित ने तीन किस्तों में 70 हजार, 50 हजार और 16 हजार रुपए जमा कर कुल 1.36 लाख रुपए का भुगतान कर दिया। कॉन्ट्रैक्टर ने दो महीने में काम पूरा करने का वादा किया, लेकिन सिर्फ 30 प्रतिशत काम करने के बाद काम बंद कर दिया और फोन उठाना भी बंद कर दिया।

इसके बाद अमित ने कटारा हिल्स थाने में शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराई। फोरम की बेंच-1 ने जांच के बाद ठेकेदार को 1.36 लाख रुपए की पूरी राशि लौटाने के आदेश दिए। साथ ही, मानसिक कष्ट के लिए 5 हजार रुपए और वाद-व्यय के लिए 3 हजार रुपए (कुल 1.44 लाख) अतिरिक्त देने का फैसला सुनाया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022